राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 297 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,01 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

## सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र पर की सवालों की बौछार, पूछा-राज्यों और केंद्र के बीच वैक्सीन की अलग-अलग कीमत क्यों

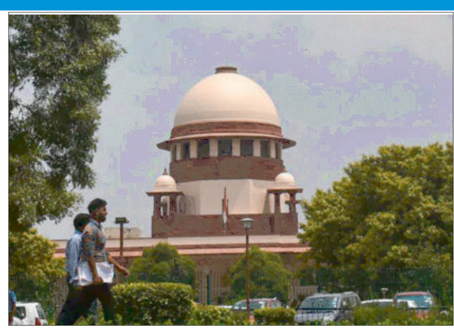

**नई दिल्ली।** कोरोना मामले को लेकर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोटूक लहजे में सवाल किया है कि रेमेडेसिविर जैसी दवाओं को कब उपलब्ध कराया जाएगा. कोर्ट ने यह भी पूछा है कि राज्यों और केंद्र के बीच वैक्सीन की अलग-अलग कीमत के पीछे क्या तर्क है और कोरोना को काबू करने के लिए केंद्र किन प्रतिबंधों, लॉकडाउन पर विचार कर रहा है. स्ष्ट ने शुक्रवार को कहा कि हमने देश के विभिन्न मामलों के विभिन्न मुद्दों की पहचान की है और हमारी सुनवाई का उद्देश्य राष्ट्रीय हित के मुद्दों की पहचान करना और संवाद की समीक्षा करना है.स्ष्ट ने यह भी पूछा कि रेमेडेसिविर के आवंटन के पीछे क्या प्रणाली है और बेड पर केंद्र और राज्यों के बीज जिम्मेदारी किस तरह बांटी गई है केंद्र पर सवालों की बौछार करते हुए शीर्ष कोर्ट ने पूछा कि मरीजों के अस्पताल में भर्ती करने की क्या प्रक्रिया है. अहमदाबाद में सिर्फ 108 एंबुलेंस में आने वाले मरीजों को भर्ती किया जाता है, इसके अलावाअस्थायी कोविड सेंटर बनाने की क्या तैयारी है, जो लोग इंटरनेट नहीं जानते या पढ़े लिखे नहीं है, उनके लिए वैक्सीन की क्या व्यवस्था है, श्मशान में काम करने वाले कर्मियों का टीकाकरण की क्या योजना है, जरूरी दवाओं के लिए पेटेंट की व्यववस्था होगी और यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि वैक्सीन को लेकर एक राज्य को दूसरे पर प्राथमिकता नहीं मिलेगी सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जरूरी दवाओं का उत्पादन और वितरण सुनिश्चित क्यों नहीं हो पा रहा केंद्र ने हलफनामे में कहा है कि हर महीने औसतन एक करोड़ तीन लाख रिमेडिसिविर उत्पादन करने की क्षमता है, लेकिन सरकार ने मांग और सप्लाई की जानकारी नहीं दी है. केंद्र ने आवंटन का तरीका भी नहीं बताया है. केंद्र को डॉक्टरों से ये कहना चाहिए की रेमडिसिविर या फेविफलू की बजाय अन्य उपयुक्त दवाएं भी मरीजों को बताएं. मीडिया रिपोर्ट बता रही हैं कि आरटीपीसीआर से कोविड के नए रूप की पड़ताल नहीं हो पा रही है. इसमें भी अनुसंधान की जरूरत है, जिला स्तर पर कोविड की नई लहर और स्वरूप की पहचान और इलाज के तरीके ढूंढने की जरूरत है.

जस्टिस भट ने सवाल उठाया, वैक्सीन निर्माता 300 या 400 का शुल्क वसूल रहे हैं.एक राष्ट्र के रूप में हमें इसका भुगतान क्यों करना चाहिए, कीमत का अंतर 30 से 40,000 करोड़ रुपये हो जाता है. जब हमने इसके लिए भुगतान किया है.मूल्य अंतर का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने कहा कि हम निर्देश नहीं दे रहे हैं लेकिन आपको इस पर गौर करना चाहिए. सुनवाई के दौरान स्ष्ट ने कहा कि हमारे चिकित्साकर्मी ब्रेकिंग प्वाइंट पर हैं.उनको भी देखभाल की जरूरत है. ये समय उनका आभार मानने का है.उनको ज्यादा भुगतान होना चाहिए. एम्स में कहा जा रहा है कि कोविड पॉजिटिव डॉक्टर 11 दिन बाद ड्यूटी पर लौट आएं,ऐसा नहीं होना चाहिए.जस्टिस भट ने कहा कि एस्ट्राजेनेका अमेरिकी नागरिकों को कम कीमत पर टीके उपलब्ध करा रही है फिर हम इतना भुगतान क्यों करें. हमें ये भी पता होना चाहिए कि उपलब्ध बेड्स में से कितने आईसीयू बेड हैं स्ष्ट ने टीकाकरण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हमको राष्ट्रीय टीकाकरण मॉडल का पालन करना चाहिए जिसका हमने आजादी के बाद से पालन किया था. ये मुद्दा असाधारण रूप से गंभीर है. 50त्न से ऊपर फ्रंट लाइन और +45 का टीका मुफ्त लगा, बाकी 50त्न का उपयोग 18 प्लस के लिए किया जाना है.18-45 समूह के 59 करोड़ भारतीय एक बड़ा तबका गरीब और हाशिए पर है जहां उनसे टीका लगने के लिए पैसा लिया जाना है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाना होगा. दो यूनिट काम कर रही हैं, अतिरिक्त यूनिट तलाशनी होंगी. इन विचारों का मकसद सरकार की आलोचना करना नहीं है. एक देश के तौर पर समाधान तलाशना है.-कानूनी कार्रवाई के डर के बिना जरूरी दवाओं के निर्माण के लिए जेनेरिक को सक्षम करने के लिए क्यों ना आदेश जारी किया जाए जस्टिस चंद्रचूड

ने कहा कि दिल्ली में ऑक्सीजन के हालात खराब हैं. गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी ये ही हालात हैं. उन्होंने कहाकि हमने नागरिकों को ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए रोते हुए भी सुना है.दिल्ली में हकीकत में ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं है. आपको भविष्य में हमें यह बताना होगा कि आज और सुनवाई के अगले दिन से क्या बेहतर हुआ.

केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि दिल्ली सरकार टैंकरों की अपर्याप्त संख्या के कारण दिल्ली को आवंटित ऑक्सीजन कोटा को उठाने में असमर्थ है. दिल्ली अधिक टैंकर प्राप्त करने की प्रक्रिया में है और स्थिति जल्द ही आसान हो जाएगी. जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी पूछा कि केन्द्र हमें बताएं कि महत्वपूर्ण राज्यों को कितनी ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जाएगी. इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऑक्सीजन की इतनी मांग की उम्मीद नहीं थी. हमने राज्यों को उनकी जरूरत बताने को.कहा है. स्त्र ने कहा कि राज्यों को जरूरत के आधार पर ऑक्सीजन आवंटित किया गया था. दिल्ली के मुद्दे पर उच्च न्यायालयों में भी बहस हुई. कठिनाई यह है कि केंद्र ने ऑक्सीजन के लिए जो भी स्रोत से संभव हो सकता है, उसे कोशिश की है. परिवहन लॉजिस्टिक को राज्य स्तर पर नियंत्रित किया जा सकता है.स्त्र ने कहा कि केंद्र का सेंट्रल कंट्रोल रूम 24 घंटे काम कर रहा है, ऑक्सीज़न की मांग अचानक से उठ जाती है, हमने ऑक्सीज़न सप्लाई को लेकर आदेश जारी किया है कि कोई राज्य दूसरे राज्य की ऑक्सीज़न सप्लाई नहीं रोकेगा. केंद्र ऑक्सीज़न की सप्लाई के लिए टैंकर तक कि व्यवस्था कर रहा है, हम यह नहीं कह रहे हैं कि हम एक्सट्रा काम कर रहे हैं, टैंकर की कमी है लेकिन एक हफ्ते में यह समस्या भी हल हो जाएगी क्योंकि दूसरे काम में लगे टैंकर को भी ऑक्सीज़न की सप्लाई में लगया गया है. स्त्र तुषार मेहता ने कहा कि हम कंट्रोल रूम के अधिकारियों से लाइव जुड़े रहते हैं, नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, कुछ राज्यों में दिकात आ रही है हम उसको भी जल्दी हल कर लेंगे.

## सोशल मीडिया पर ऑक्सीजन और बेड की पोस्ट करने वालों पर न हो कार्रवाई : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को कोरोना महामारी केंद्र द्वारा उठाए गए कदमों को लेकर सुनवाई की गई। मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 मई की तारीख निर्धारित की गई है। आज हुए सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र से टेस्टिंग, ऑक्सीजन व वैक्सीनेशन को लेकर उठाए गए कदमों से जुड़े सवाल तो किए ही साथ ही सोशल मीडिया पर दर्द बयां कर रहे लोगों व डॉक्टर व नर्स का भी मुद्दा उठाया। कोर्ट में दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन को लेकर अफरातफरी का सवाल किया गया जिसपर केंद्र ने जवाब दिया कि वहां ऑक्सीजन की सप्लाई की गई लेकिन उनके पास इतनी क्षमता ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से भी केंद्र के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए ऑक्सीजन और दवाइयां जुटाने के लिए मिल कर काम कीजिए। राजनीति चुनाव के समय होती है विपत्ति के समय नहीं।

केंद्र की ओर से जवाब देते हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, दिल्ली को 400 मीट्रिक टन ऑक्सीजन दिया गया, पर इसे मेंटेन करने की क्षमता उनके पास नहीं है। एक और निर्माता ऑक्सीजन देना चाहता है लेकिन दिल्ली के पास क्षमता नहीं है इसे बढ़ाना होगा। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की क्षमता कम है ऐसा केंद्र को नहीं कहना चाहिए क्योंकि यह पूरे देश का प्रतिनिधित्व करती है इसलिए मदद की जानी चाहिए। यदि कुछ नहीं किया तो मौत का आंकड़ा बढ़ जाएगा। सॉलिसीटर जनरल ने कहा, दिल्ली को सप्लाई बढ़ाने के लिए कहीं और कमी करनी पड़ेगी।

दिल्ली में कोविड से हो रही हर मौत ऑक्सीजन की कमी से नहीं। सॉलिसीटर जनरल ने कहा, दिल्ली को ऑक्सीजन सप्लाई पर कोर्ट के आदेश को लेकर मैंने केंद्र से निर्देश लिया। आपने जो कहा है, उसका पालन किया जाएगा। स्ष्ट ने केंद्र के इस रवैये की सराहना की। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने जिन कंपनियों के पास खाली टैंकर हैं उनसे लेने पर की बात कही थी।

**कुंभ व चुनावी रैलियों के मुद्दे पर एमिकस क्यूरी-** सुनवाई के दौरान पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने कहा कि कोरोना के बावजूद कुंभ जैसे धार्मिक आयोजन और राजनीतिक रैलियां होती रहीं। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की ड्यूटी में लगे लोग बीमार पड़ गए। इस पर कुछ किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि इन सभी पहलुओं को एमिकस क्यूरी देखेंगे।

**डॉक्टर व नर्स को मिले आर्थिक प्रोत्साहन-** सुप्रीम कोर्ट ने कहा, लगातार सेवा दे रहे डॉक्टर और नर्स बहुत बुरी स्थिति में हैं। चाहे प्राइवेट हो या सरकारी अस्पताल उन्हें उचित आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। अंतिम वर्ष के 25,000 मेडिकल छात्र और 2 लाख नर्सिंग छात्रों की भी मदद लेने पर विचार होना चाहिए।

**वैक्सीनेशन के वितरण पर हो केंद्र का नियंत्रण-** कोर्ट ने कहा, सरकार राष्ट्रीय स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान पर विचार करे। सभी लोगों को मुफ्त वैक्सीनेशन की सुविधा दी जाए। यह वैक्सीन निर्माता कंपनी पर नहीं छोड़ा जा सकता कि वह किस राज्य को कितनी वैक्सीन उपलब्ध करवाए। यह केंद्र के नियंत्रण में होना चाहिए। कोर्ट ने कहा वैक्सीन विकसित करने में सरकार का भी पैसा लगा है। इसलिए, यह सार्वजनिक संसाधन है। साथ ही सवाल किया, केंद्र सरकार 100 फीसद वैक्सीन क्यों नहीं खरीद रही। एक हिस्सा खरीद कर बाकी बेचने के लिए वैक्सीन निर्माता कंपनियों को क्यों स्वतंत्र कर दिया गया है

## अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में कोरोना के बेकाबू होते हालात के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पत्नी सुनीता केजरीवाल को शुक्रवार को साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि अस्पताल के सीनियर डॉक्टर उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि, उनकी हालत को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार, 20 अप्रैल को सुनीता केजरीवाल की कोरोना वायरस टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्होंने खुद को होम क्वारंटाइन कर लिया था और घर पर ही इलाज करा रही थीं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भी खुद को क्वारंटाइन कर लिया था, लेकिन बाद में उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी।

बता दें कि 1993 बैच की भारतीय राजस्व सेवा की अधिकारी रहीं सुनीता और अरविंद केजरीवाल करीब 26 साल पहले मसूरी में नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में मिले थे। दोनों साथ-साथ आईआरएस अधिकारी बने। इनकम टैक्स विभाग में 22 साल नौकरी करने के बाद सुनीता ने अपने पति को सपोर्ट करने के लिए साल 2016 में वॉलंटियरी रिटायरमेंट ले लिया था। फिलहाल वह घर पर रहकर ही अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

उपराज्यपाल अनिल बैजल भी कोरोना संक्रमित हुए

वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने शुक्रवार को बताया कि वह कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं और उन्हें हल्के लक्षण हैं। बैजल ने बताया कि वह अपने आवास पर आइसोलेशन में रहते हुए काम जारी रखेंगे और दिल्ली के हालात पर नजर रखेंगे।

उन्होंने ट्वीट किया, मैं कोविड-19 से संक्रमित हो गया हूं। मुझे संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। लक्षण दिखने शुरू होते ही मैं आइसोलेशन में चला गया। मेरे संपर्क में जो भी आए थे, उनकी भी जांच की गई है। मैं अपने आवास से ही काम जारी रखूंगा और दिल्ली में हालात पर नजर रखूंगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर उपराज्यपाल के जल्द ठीन होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है।

## पीएम मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक, कोरोना की दूसरी लहर से पैदा हुए हालात पर मंथन

**नई दिल्ली, एजेंसियां।** देश में कोरोना की दूसरी लहर से पैदा हुए हालात पर चर्चा के लिए पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि महमारी के चलते पैदा हुई स्थिति से निपटने के लिए सरकार के सभी विभाग एकजुट होकर काम कर रहे हैं। बैठक में पीएम मोदी ने मंत्रियों से अपने संबंधित क्षेत्रों के लोगों के साथ संपर्क में रहने, उनकी मदद करने और उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने की गुजारिश की। उन्होंने स्थानीय स्तर पर समस्याओं की तुरंत पहचान और इनके समाधान पर भी जोर दिया।

इस बैठक में मंत्रिपरिषद के सदस्यों के अलावा केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हुए। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान यह केंद्रीय मंत्रिपरिषद की पहली बैठक थी। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं और मुद्दों को सुलझाने को कहा। मालूम हो कि देश में गहराए कोरोना संकट को थामने के लिए पीएम मोदी रोज अलग अलग बैठकें कर रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत कर चुके हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को भारतीय सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के साथ बैठक की थी। इस बैठक में सेना प्रमुख ने पीएम मोदी को बताया था कि देश में कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए सेना जहां भी संभव है स्थानीय लोगों के लिए अपने अस्पतालों के दरवाजे खोल रही है। सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को यह भी बताया कि सेना के चिकित्सा कर्मचारी विभिन्न राज्य सरकारों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यही नहीं सेना देश के विभिन्न हिस्सों में अस्थायी अस्पताल स्थापित कर रही है।

## अब संयुक्त राष्ट्र भी भारत के साथ खड़ा हुआ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत कोरोना महामारी की दूसरी लहर के खिलाफ एक युद्ध लड़ रहा है। इस लड़ाई में दुनिया के कई देशों ने मदद के हाथ आगे बढ़ाए हैं। अमेरिका से आज ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन जेनरेटर, एन-95 मास्क जैसे जरूरी जीवनरक्षक मेडिकल इक्विपमेंट की पहली खेप भारत पहुंचा है। अमेरिका के अलावा अन्य कई देशों से भी इस तरह की मदद भारत की को जा रही है। अब संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी भयानक लहर से लड़ने के वास्ते सहयोग की बात कही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि विश्व संगठन भारत में कोविड-19 की भयानक लहर से लड़ने के वास्ते उसका सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 1.8 करोड़ से अधिक मामले आ चुके हैं और 200,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। गुतारेस ने गुरुवार को ट्वीट किया, पूरे संयुक्त राष्ट्र परिवार के साथ मैं भारत के लोगों के साथ खड़ा हूं क्योंकि वे कोविड-19 की भयानक लहर का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र अपना सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने गुतारेस के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा, भारत आपकी भावनाओं और एकजुटता की सराहना करता है। संयुक्त राष्ट्र जो समर्थन दे रहा है हम उसकी भी प्रशंसा करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार भारत में कोविड-19 के 1.8 करोड़ से अधिक मामले आए हैं और 204,000 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं। डब्ल्यूएचओ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत में कोविड-19 के बेतहाशा मामले आने के कारण आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति और अस्पतालों की क्षमताओं में कमी को पूरा करना शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए। डब्ल्यूएचओ बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 4,000 ऑक्सीजन सांद्रक के साथ विमानों को भेज रहा है। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा, कोविड-19 के मामले बढ़ने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा दबाव पड़ा है जो इस महामारी के शुरू होने के बाद से पहले ही अत्यधिक दबाव में है। हमें तेजी से काम करने, अस्पतालों की क्षमताएं बढ़ाने और चिकित्सा आपूर्ति करने की जरूरत है जो लोगों की जान बचाने के लिए आवश्यक है। वहीं, अमेरिका को उम्मीद है कि भारत को दी जाने वाली भारी भरकम कोविड-19 सहायता का समाज और दुनियाभर में उत्प्रेरक असर पड़ेगा। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका आने वाले दिनों में भारत को 10 करोड़ डॉलर से अधिक की आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति कर रहा है। राहत सामग्री लेकर पहला विमान बुधवार को कैलिफोर्निया में अमेरिकी वायु सेना अड्डे से रवाना हुआ।

## गोवा में हर दूसरा शख्स कोरोना संक्रमित

**पणजी** । तटीय राज्य गोवा में कोरोना वायरस संक्रमण की दर 50 प्रतिशत होने के बीच लागू किए गए चार दिवसीय लॉकडाउन के दौरान शुक्रवार को लोग घरों के अंदर ही रहे और सड़कें सुनसान दिखीं। लगभग 16 लाख की आबादी वाले इस छोटे से राज्य में महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

गोवा सरकार को चिंतित करनेवाला घटनाक्रम यह है कि राज्य में गुरुवार को संक्रमण दर 50 प्रतिशत रही क्योंकि 5,910 नमूनों में से 3,019 नमूने पॉजिटिव मिले। इसके साथ ही राज्य में महामारी से एक दिन में 36 लोगों की मौत हो गई। कोविड-19 रोधी प्रतिबंध बृहस्पतिवार रात नौ बजे से लागू हो गए जो सोमवार (तीन मई) सुबह छह बजे तक जारी रहेंगे। राज्य सरकार ने कहा है कि इस दौरान सभी जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आज सड़कों पर इक्का-दुक्का वाहन ही दिखे और पाबंदियों को लागू करने के लिए विशेषकर शहरी इलाकों में सख्त निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोग सहयोग कर रहे हैं और वे अपने-अपने घरों के अंदर ही हैं।

पर्यटकों को लुभाने वाले लोकप्रिय समुद्र तट सुनसान पड़े हैं। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंद ने बुधवार को पाबंदियों की घोषणा करते हुए कहा था, साप्ताहिक बाजार लॉकडाउन के दौरान बंद रहेंगे। कसीनो भी बंद रहेंगे। हालांकि औद्योगिक गतिविधियां जारी रहेंगी। उन्होंने कहा था कि टीकाकरण केंद्र भी खुले रहेंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की गोवा इकाई ने शुक्रवार को मांग की कि लॉकडाउन 15 दिन के लिए बढ़ाया जाना चाहिए।

### कोरोना का बढ़ता कहर

## न्यूज एंकर रोहित सरदाना ने 42 साल की उम्र में आखिरी सांस ली

**नोएडा।** आजतक न्यूज चैनल के सीनियर एंकर रोहित सरदाना का शुक्रवार को कोरोना के चलते निधन हो गया। 42 साल के रोहित ने नोएडा के एक निजी अस्पताल में आखिरी सांस ली। जैसे ही उनके निधन की खबर सामने आई हर कोई स्तब्ध रह गया। चैनल के लाईव शो में रोहित के साथी एंकर्स चित्रा त्रिपाठी, अंजना ओम कश्यप और सईद अंसारी रो पड़े। एक-ए क करके सभी ने रोहित से जुड़ी यादों को शेयर किया।

### रिकवर हो रहे थे सरदाना, आखिरी ट्वीट में भी लोगों की मदद करते दिखे

● रोहित एक हफ्ते पहले सक्रमित पाए गए थे। जिसके बाद से उनका इलाज चल रहा था। साथी एंकर चित्रा त्रिपाठी ने बताया कि दो दिन पहले ही रोहित ने बताया था कि वह रिकवर हो रहे हैं। जल्द ही वापस ऑफिस जॉइन करेंगे, लेकिन अचानक इस खबर ने सबको झकझोर दिया है। रोहित हमेशा लोगों की मदद करते रहे। आखिरी ट्वीट रोहित ने गुरुवार की रात 8 बजे की है। इसमें भी उन्होंने कानपुर की एक कोरोना मरीज के लिए मदद मांगी।

### शूटर दादी चंद्रो तोमर का 89 साल की उम्र में निधन

**वहीं शूटर दादी के नाम से मशहूर निशानेबाज चंद्रो तोमर का भी कोरोना संक्रमण के चलते शुक्रवार को निधन हो गया। वे 89 साल की थीं। मेरठ के मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा था। चंद्रो उत्तर प्रदेश के बागपत में रहती थीं। फिल्म सांड की आंख चंद्रो तोमर की रियल लाइफ पर ही बेस्ड है।**

### प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई हस्तियों ने जताया शोक

पत्रकार रोहित एंकर के निधन पर मीडिया जगत के साथ-साथ राजनीतिक, उद्योग, खेल और एंटरटेनमेंट जगत में भी शोक की लहर दौड़ पड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, रोहित सरदाना ने हम सभी को अकेला छोड़ दिया। ऊर्जा से भरपूर वो हमेशा से देश की प्रगति के लिए सोचते थे। एक दयालु आत्मा के रूप में उन्हें हमेशा से याद किया जाएगा। उनके असामयिक निधन ने मीडिया जगत में एक बहुत बड़ा शून्य छोड़ दिया है। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राजनीतिक हस्तियों ने रोहित के निधन पर शोक जताया।

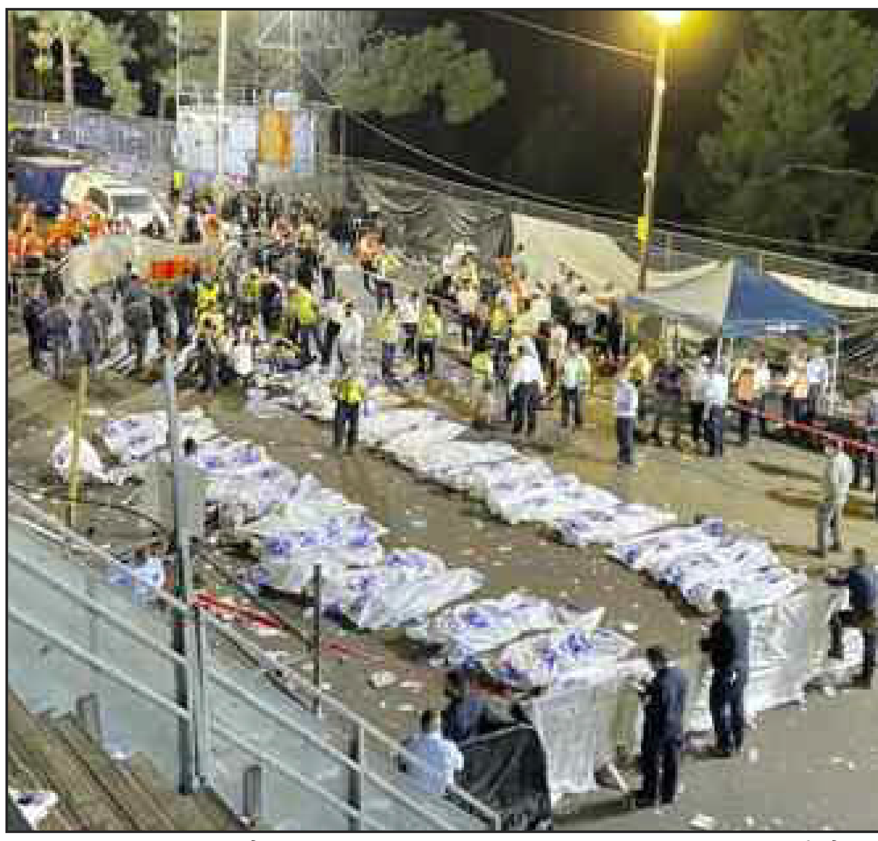

*माउंट मेरान में जश्न के दौरान मृत लोगों के शवों के पास खड़े इजरायली सुरक्षाकर्मी और राहत दल के सदस्य।*

# इजरायली धर्मस्थल में मची भगदड़ में 44 लोगों की मौत

तेल अवीव, (एजेंसी)। उत्तरी इजरायल में एक धार्मिक सामूहिक सभा में गुरुवार को मची भगदड़ में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। माउंट मेरन में लाग ओमर की छुट्टी मनाने के लिए सामूहिक सभा आयोजित की गई थी। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि इस घटना में कम से कम 44 लोगों की मौत हुई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इनमें 20 लोगों की हालत खराब बताई गई है।

इजरायल की बचाव सेवा ने बताया कि 6 हेलीकॉप्टरों और दर्जनों एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सफीदों के ज़िव अस्पताल और नहरिया के गलील मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। धार्मिक सभा में भगदड़ किस वजह से मची, इसका अभी पता नहीं चल पाया है।

जिस स्थान पर हादसा हुआ है, वहां स्थित टूंब को यहूदी समाज के पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। हजारों की संख्या में यहूदी लोग दूसरी शताब्दी के संत रब्बी शिमोन बार योचाई की कब्र पर एकत्र हुए थे। रात भर प्रार्थना और डांस का कार्यक्रम चला। इसी बीच अचानक भगदड़ मच गई। लोग वहां से बच निकलने के प्रयास में दूसरों को कुचलते हुए वहां से बच निकलने का प्रयास करने लगे।

इमरजेंसी सेवाओं के मुखिया मेगन डेविड एडम ने बताया कि 44 लोगों की हालत गंभीर है। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 5 हेलीकॉप्टर बुलाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसे की वजह यह थी कि कुछ लोग सीढ़ियों पर फिसल गए। इसके बाद एक-एक कर लोग एक दूसरे पर गिरते चले गए। लोग बाहर निकले की कोशिश में कुचले गए हैं। कोरोना पाबंदियों को हटाए जाने के बाद यह पहला बड़ा आयोजन था। माउंट मैरन में प्राइवेट बोनफायर को कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से बैन कर दिया गया था।

# तालिबान के संभावित हमले से निपटने की तैयारी कर रहा है अमेरिका

वाशिंगटन, (एजेंसी)। पेंटागन अफगानिस्तान से अमेरिकी एवं गठबंधन बलों की वापसी प्रक्रिया के दौरान उन पर तालिबान के हमले होने की आशंका के मद्देनजर उनसे निपटने की तैयारियां कर रहा है। तालिबान और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच फरवरी 2020 को हुए समझौते के तहत सभी अमेरिकी और अन्य विदेशी बलों को एक मई को अफगानिस्तान से बाहर जाना है। समझौते के तहत, तालिबान ने अमेरिकी बलों पर हमले बंद कर दिए हैं और तब से किसी की मौत नहीं हुई है, लेकिन तालिबान ने कहा कि वह तय समय सीमा से बलों की वापसी नहीं होने की स्थिति में अमेरिका द्वारा समझौते का उल्लंघन किए जाने पर अपने रुख पर विचार करेगा। तालिबान के प्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसका एक मई के बाद हमले फिर से शुरू करने का इरादा है या नहीं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बलों की वापसी करने का फैसला किया है, लेकिन इस प्रक्रिया में देरी के कारण बलों की वापसी प्रक्रिया के दौरान हमले हो सकने की आशंका के कारण सुरक्षा संबंधी नया खतरा पैदा हो गया। बाइडन ने कहा है कि अफगानिस्तान से 2,500 से 3,500 अमेरिकी बल, 7,000 गठबंधन बल और हजारों ठेकेदार 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से बाहर निकल जाएंगे। अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को ही आतंकवादी हमले हुए थे, जिसके बाद अमेरिकी बल अफगानिस्तान में घुसे थे।

## बाहरी तकलीफों को स्वीकार करना शुरू कीजिए, कष्ट जल्द खत्म होंगे

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना से जूझते हुए एक साल से ज्यादा वक्त बीत चुका है। लोगों ने बहुत सी विपरीत परिस्थितियां देखी हैं, मुश्किलें झेली हैं। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। मनोचिकित्सक इससे उबरने के लिए सलाह दे रहे हैं कि अगर जिंदगी में नकारात्मक परिस्थितियां भी आती हैं, तो उन्हें स्वीकार कीजिए। यदि ऐसा नहीं करते हैं तो ये मानसिक तनाव या डिप्रेशन में तब्दील हो जाती हैं। मनोचिकित्सक जेनी टेट्ज अपने पास आने वाले लोगों को यही बताती हैं कि तकलीफों से भागने के बजाय उनका सामना करते हैं तो उनसे निपटना आसान हो जाता है। यह थ्योरी उन्होंने मनोवैज्ञानिक तारा ब्रेच की किताब रेडिकल एक्सेपटेंस से ली है। लोगों को हैरानी हो सकती है कि नकारात्मकता से अच्छा कैसे महसूस होगा। पर यह संभव है, इसके लिए उन्होंने कुछ तरीके बताए हैं, जो इस तरह हैं... जो जैसा है स्वीकार करें: हमेशा यह न सोचें कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ। या जैसा सोचा था, वैसा क्यों नहीं हुआ। ऐसी बातें वास्तविकता स्वीकार करने से रोकती हैं। भावनाओं से बचने की कोशिश न करें। जो महसूस हो रहा है, उसे अनुभव करें। जैसे आप अकेला महसूस कर रहें तो सोशल मीडिया पर दोस्तों की पोस्ट देखकर यह न सोचें कि आप कभी ऐसे रिश्ते नहीं बना पाएंगे। यह सच है, इसे मानें।

जब आप स्वीकार करने की क्षमता सुधारना चाहते हैं तो चेहरे की अभिव्यक्ति उग्र के बजाय शांत रखें। मान लीजिए किसी लंबी लाइन में देर से खड़े हैं, तो चेहरे पर तनाव लाने की जगह हल्की सी मुस्कान लाएं।

# अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी शुरू

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी शुरू हो गई है। गुरुवार रात व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की। व्हाइट हाउस की डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी कैरीन जेन पियर ने कहा- हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि अफगानिस्तान से हमारे सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है और यह प्रक्रिया जारी रहेगी। पिछले हफ्ते अमेरिकी रक्षा मंत्री जनरल ऑस्टिन ने इसके लिए मंजूरी दी थी। उनके पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी संसद को इस बारे में जानकारी दी थी। बाइडेन के इस फैसले का अमेरिका के ही कुछ नेताओं ने विरोध भी किया था। पियर ने कहा- यूएस सेंट्रल कमांड ने सैन्य वापसी के लिए तैयारी की है। हम चाहते हैं कि हमारे सभी सैनिक महफूज देश लौटें। इसके लिए यूएस आर्मी रेंजर्स की एक बटालियन अफगानिस्तान भेजी गई है। ये सैन्य वापसी में मदद करेगी। ये रेंजर्स स्पेशल ट्रेनिंग ले चुके हैं और इन्हें मिशन वापसी के बाद किस तरह ट्रूप्स को वापस लाना है, इस काम में महारत हासिल है। यही टीम अफगानिस्तान की सेना और सुरक्षा एजेंसियों को अपने सैनिक तैनात करने और दूसरी सलाह देगी।

अमेरिका में 9/11 का हमला 2001 में हुआ था। 11 सितंबर को इसके 20 साल पूरे हो रहे हैं। इस हमले के बाद ही अमेरिकी सेनाएं यहां तैनात की गईं थीं। लगभग साढे चार हजार अमेरिकी सैनिक यहां मौजूद हैं।

प्रेस सेक्रेटरी ने कहा- राष्ट्रपति ने जो आदेश दिया है, उस पर अमल किया जाएगा। हम 11 सितंबर तक सभी सैनिकों को देश लाने का वादा पूरा करेंगे। इसके लिए जो जरूरी इंतजाम किए जाने हैं, वे पूरे कर लिए गए हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि यह काम आसान नहीं है, इसलिए हर पहलू को ध्यान में रखा जा रहा है। मंगलवार को अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया था। इसके तहत अफगानिस्तान में अमेरिकी एम्बेसी में तैनात सभी अफसरों और उनके परिवारों को जल्द से जल्द देश छोडे को कहा गया था। अमेरिका और तालिबान के बीच हुए समझौते के तहत 1 मई तक युद्ध विराम है। इसके पहले अमेरिका अपने सभी सिविलियन्स को अफगानिस्तान से बाहर निकालना चाहता है।

*चेक गणराज्य में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान सामाजिक दूरी का पालन करते हुए लोग।*

# वैक्सीन की आधी खुराक केवल 16 फीसदी आबादी वाले अमीर देशों ने लगवा ली

लंदन, (एजेंसी)। कोरोना वायरस की वैक्सीन को लेकर दुनिया दो हिस्से में बंट गई है। पहली जिनके पास वैक्सीन हैं और दूसरी जिनके पास नहीं है। वॉशिंगटन पोस्ट कहता है कि ये अंतर, महामारी को एक कदम और आगे ले जाएगा। कुल कोरोना वैक्सीन का 48 फीसदी डोज अमीर देशों ने अपने नागरिकों को लगवा दिया है। जबकि इनकी आबादी दुनिया की कुल आबादी का महज 16 फीसदी है। मतलब 84 फीसदी आबादी वाले मध्यम वर्गीय आय और गरीब देशों में रहने वालों को 52 फीसदी वैक्सीन के डोज से ही काम चलाना पड़ेगा। यहां अमीर और गरीब देश वर्ल्ड बैंक के आय वर्ग से तय हुए हैं।

19 अप्रैल तक जारी हुए आंकड़ों के मुताबिक इजराइल की 60 फीसदी आबादी पहला डोज ले चुकी है। जबकि 58 फीसदी लोग दोनों डोज ले चुके हैं। इजराइल ने औसत से ज्यादा पैसे देकर लोगों को वैक्सीन कराया है। यहां तक कि उसने दवाई कंपनियों को अपने हेल्थकेयर से जुड़े डाटा मुहैया करा दिया और जल्द से जल्द अपने नागरिकों को वैक्सीनेट कराने का लक्ष्य रखा। अब तक इसमें 788 मिलियन डॉलर यानी करीब 5 हजार 910 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च हो चुके हैं। हर 1 एक लाख लोगों पर यहां 1 लाख 14 हजार से ज्यादा वैक्सीन लगाई जा चुकी हैं।

नेशनल ऑडिट ऑफिस एस्टिमेट के अनुसार ब्रिटेन ने वैक्सीन बनाने और खरीदने पर 16 बिलियन डॉलर यानी करीब 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यहां करीब 50 फीसदी आबादी पहला डोज ले चुकी है। जबकि 16त्न आबादी पूरी तरह से वैक्सीनेट हो चुकी है। यहां हर एक लाख लोगों में से 59 हजार 308 लोगों को पहला डोज दिया जा चुका है।

यूरोपियन यूनियन का देश हंगरी चीन और रूस से वैक्सीन लेकर अपने देश वासियों को वैक्सीनेट करा रहा है। यहां अब तक 35 फीसदी लोगों को वैक्सीन का पहला डोज दिया जा चुका है। जबकि हर एक लाख लोगों में से 49 हजार 874 लोगों को वैक्सीन का पहला डोज दिया जा चुका है। कनाडा और यूरोपियन यूनियन के देश इस वक्त सबसे ज्यादा वैक्सीन इस्तेमाल कर रहे हैं या फिर अपने पास रखे हुए हैं, लेकिन राजनैतिक कारणों से अभी यहां के देश कोरोना के चपेट में हैं। कनाडा और यूरोपियन यूनियन के नेताओं की लगातार इस बात के लिए आलोचना हुई कि उन्होंने वैक्सीन की डील को तय करने में काफी वक्त लिया। तब कोरोना ने तेजी से पांव पसार लिया।

ड्यूक यूनिवर्सिटी के ग्लोबल हेल्थ सेंटर की एक स्टडी में सामने आया कि अमीर देशों ने वैक्सीन सप्लाई का 53 फीसदी अपने कब्जे में ले लिया था। इस स्टडी के अनुसार 92 गरीब देश 2023 से पहले 60 फीसदी वैक्सीनेशन भी नहीं करा पाएंगे। इतना ही नहीं सोमालिया, नॉर्थ कोरिया, यमन, लाइबेरिया और हैती जैसे कई देश हैं जिनके पास अब तक वैक्सीन का एक भी डोज न होने की खबरें हैं। इनके अलावा सूडान, माली, अफगानिस्तान, मोजैंबिक और तजाकिस्तान जैसे देश अपने यहां 1 फीसदी आबादी को भी वैक्सीन नहीं करा पाएंगे।

## भारत से भी खतरनाक है ब्राजील का कोविड स्ट्रेन

साओ पाउलो, (एजेंसी)। ब्राजील में महज एक महीने में कोरोना वायरस से 1,00,000 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के बाद लोगों के मरने की इस भयावह रफ्तार से ब्राजील में दहशत फैली हुई है। दक्षिण अमेरिका के इस देश में कोरोना से मरने वाले लोगों की कुल संख्या 400000 के पार पहुंच गई है। हालांकि, कोविड से हुई कुल मौतों के मामले में ब्राजील अब भी दुनिया में दूसरे नंबर पर है। कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने देश में हालात और बिगडे को लेकर आगाह किया है।

ब्राजील में इस वैश्विक महामारी से अप्रैल में सबसे अधिक मौत हुई हैं। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस महीने के पहले दो दिनों में 4,000 से अधिक लोगों की मौत हुई। पिछले दो हफ्तों में हर दिन करीब 2,400 लोगों की मौत हुई और स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को 3,001 और लोगों के मरने की जानकारी दी, जिससे देश में मृतकों की संख्या 401,186 पर पहुंच गई।

स्थानीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने संक्रमण के मामले और मौत की संख्या घटने पर थोड़ी राहत की सांस ली, लेकिन उन्हें बीमारी की एक अन्य लहर आने की आशंका है जैसा कि कुछ यूरोपीय देशों में देखा गया। ऑनलाइन रिसर्च वेबसाइट आवर वर्ल्ड इन डेटा के अनुसार छह प्रतिशत से भी कम ब्राजीलियाई नागरिकों को कोविड-19 का टीका लगा है।

# अफ्रीका के रेगिस्तान में मिला आदिमानव का सबसे पहला घर

केपटाउन, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की एक गुफा में कुछ ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे करीब बीस लाख साल पहले इंसानी ठिकाने होने के सबूत मिले हैं। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये हमारे पूर्वजों का सबसे पहला घर हो सकता है। जेरूसलेम में हीब्रू यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स ने दक्षिण अफ्रीका के कालाहारी रेगिस्तान में वंडरवर्क केव को स्टडी किया और यहां प्राचीन परतों में छिपे रहस्यों को खोजा गया। इस जगह का स्थानीय भाषा में नाम ही चमत्कार है और यहां लाखों साल के पुरातन रिकॉर्ड मौजूद हैं। नई स्टडी में यहां करीब 20 लाख साल पहले के इंसानों के बनाए औजार मिलने की पुष्टि की गई है। इसके साथ ही गुफा में रहने का यह दुनिया का सबसे पुराना सबूत माना जा रहा है। यहां आग का इस्तेमाल करने के सबूत भी मिले हैं। स्टडी के लीड रिसर्चर प्रोफेसर रॉन शार ने बताया, वंडरवर्क प्राचीन ओल्डोवन साइट्स में अनोखा है। यहां टीम ने गुफाओं की परतों में खोज की और ओल्डोवन औजारों से आगे उन्हें हाथ से बनी कुल्हाडियां मिलीं। यहां उन्हें 10 लाख साल पहले आग का इस्तेमाल करने के सबूत मिले। यहां जली हुईं हड्डियां, तलछट और औजारों की राख मिली है। टीम ने 8 फीट मोटी सेडिमेंटरी लेयर का अनैलेसिस किया जिसमें पत्थर से बने औजार, जानवरों के अवशेष और आग से जुड़ा सामान मिला। इनके मैग्नेटिक सिग्नल को स्टडी किया गया है। मैग्नेटाइजेशन तब होता है जब गीली मिट्टी के पार्टिकल, जो बाहर से गुफा में आए हों और प्राचीन जमीन पर रह गए हों और इससे उस वक्त धरती की जो मैग्नेटिक फील्ड थी, उसकी दिशा पता चलती है।

# कोरोना को खत्म करने खर्च करने होंगे 11.62 लाख करोड़

वाशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना वायरस विश्व की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है। इस जानलेवा महामारी को दुनिया से खत्म करने के लिए 157 अरब डॉलर (11.62 लाख करोड़) रकम खर्च करने होंगे। वहीं लगातार टीकाकरण अभियान किया गया तो साल 2025 में यह कार्य पूरा होगा। इसके साथ ही हर दो साल में बूस्टर शॉट लगाए जाएंगे। यह बात अमेरिका की हेल्थ डाटा से संबंधिक एक कंपनी की रिपोर्ट में सामने आई है। दरअसल आइक्यू आइए होल्डिंग्स इंक नाम की यह कंपनी हेल्थ क्षेत्र को विश्लेषणात्मक रिपोर्ट उपलब्ध कराती है। जिससे उन्हें भविष्य की रूपरेखा बनाने में मदद मिल सके।

इसी रिपोर्ट के आधार पर फॉर्म कंपनियां दवाओं के लिए रिसर्च और उत्पादन तैयारी करती है। कंपनी का कहना है कि कोविड-19 संक्रमण रोकने के लिए चल रहे वैक्सीनेशन अभियान के पहले चरण में दुनिया की लगभग 70 फीसद आबादी कवर हो पाएगी।

टीकाकरण का पहला स्टेज साल 2022 के अंत तक पूरा हो सकता है। बूस्टर शॉट वैक्सीनेशन का कोर्स पूरा होने के 9 से 12 महीने अंदर लगाई जाए। इस बात के संकेत बीते दिनों व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने दिए थे।

यूएस में सबसे पहले वैक्सीन बनाने वाली कंपनी फाइजर इंक ने भी बूस्टर डोज एक साल के अंदर दिए जाने की जरूरत बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक टीका पर सर्वाधिक 54 अरब डॉलर (करीब चार लाख करोड़ रुपए) खर्च इस साल होने का अनुमान है। दुनिया के सभी देशों में चालू वर्ष में टीकारण अभियान शुरू होगा। धीरे-धीरे यह खर्च कम होगा।

साल 2025 में खर्च घटकर 11 अरब डॉलर (करीब 85 हजार करोड़) होने का अनुमान है। यह खर्च अभी तक किसी भी वैक्सीनेशन अभियान से ज्यादा होगा।

*सेंट विंसेंट में भारी बारिश और बाढ़ के कारण धवस्त एक घर।*

# टाइम मैगजीन के कवर पर दिखा भारत में संकट

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी वेव ने ऐसे हाहाकार मचाया कि सारी दुनिया सदमे में है। अभी तक कई देशों को मदद पहुंचा चुके भारत में अब लोग अपनों के लिए भटक रहे हैं। जाहिर है कि पूरी दुनिया की निगाहें हालात पर हैं। इसी कड़ी में अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने अपने कवर पेज पर भारत की त्रासदी को दिखाया है। संकट में भारत हेडिंग के साथ श्मशान घाट की तस्वीर इस दर्दनाक माहौल की कहानी सुना रही है। मैगजीन के लिए नैना बजेकल ने कवर स्टोरी में लिखा है, भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराने की कगार पर है। देश के अस्पतालों में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और बेड्स की कमी है। भारतीय रेडेसिविर के लिए भाग रहे हैं जिससे कीमतें बढ़ गई हैं जबकि लैब बढ़ते कोविड-19 टेस्ट निपटाने की कोशिश कर रही हैं। यह मानवीय आपदा सिर्फ भारत के 1.4 अरब लोगों के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए भयावह होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पिछले 24 घंटे में एक दिन में कोविड-19 के सर्वाधिक तीन लाख 79 हजार 257 मामले आए और 3645 लोगों की मौत हुई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि आने वाले कुछ हफ्तों के दौरान भारत को अतिरिक्त पांच लाख आईसीयू बिस्तरों, दो लाख नर्सों और डेढ़ लाख डॉक्टरों की जरूरत पड़ेगी। डॉ. शेट्टी ने कहा, भारत में 75 से 90 हजार आईसीयू बेड हैं, जो महामारी की दूसरी लहर के चरम पर पहुंचने से पहले ही भर चुके हैं। रोज 3.5 लाख नए मामले आ रहे हैं। एक्सट्र्स का कहना है कि यह संख्या पांच लाख तक जा सकती है। डॉ. शेट्टी ने कहा, हर संक्रमित मरीज के साथ पांच से 10 लोग ऐसे हैं, जिनकी जांच नहीं हो रही है। भारत में अब रोज 15 से 20 लाख लोग संक्रमित हो सकते हैं।

## संक्षिप्त खबर

### हाई कोर्ट में दलील देते हुए रो पड़े बार काउंसिल अध्यक्ष, अदालत ने कहा ये राज्य सरकार की नाकामी

**नई दिल्ली।** कोरोना से मरते लोगों की तकलीफ बताते बताते जब बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता रोने लगे। आठ दिन से लगातार स्थितियों पर सुनवाई कर रहा दिल्ली हाई कोर्ट भी बेबस दिखाई दिया। रमेश गुप्ता की मार्मिक दलील सुनकर न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने कहा कि डॉक्टर रो रहे हैं, हम क्या करें। हम जो भी कर सकते हैं हर दिन करने की कोशिश कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि यह पूरी तरह से राज्य सरकार की नाकामी है। पीठ ने कहा कि अगर हम कागजों में आदेश कर भी देंगे तो इससे आपकी समस्या कम नहीं होगी।

पीठ ने कहा हम आपका दर्द समझते हैं और यहां समस्या पैसे की नहीं है, लेकिन अगर हम अस्पताल को अटैच भी कर लेते हैं तो ऑक्सीजन कहां है। संचालित बड़े अस्पतालों ने मरीजों को भर्ती करने से मना कर दिया है और भर्ती मरीजों को ले जाने को कह रहे हैं। पीठ ने ये अहम टिप्पणी रमेश गुप्ता की दलीलों पर दी। रोते हुए उन्होंने कहा कि हर दिन 20 से 25 लोगों की खबरें सुन रहा हूं, किसी भी तरह से हमारे मदद करें। उन्होंने मांग की कि बार काउंसिल के सदस्यों के लिए आसीयू बेड के साथ एक अस्पताल को अटैच किया जाए। उन्होंने कहा कि हम समझते हैं कि स्थिति ठीक नहीं है और लोगों को अस्पतालों में ऑक्सीजन और दवाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि द्वारका कोर्ट के सामने 95 फीसद बनकर तैयार अस्पताल को अधिवक्ताओं के लिए 100 बेड की सुविधा के साथ शुरू किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हम नहीं कह रहे हैं कि केंद्र व दिल्ली सरकार नाकाम है। उन्होंने कहा हम सेना की मदद क्यों नहीं ले सकते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि हम अपने फंड का इस्तेमाल करेंगे, लेकिन हमें सुविधा दी जाए।

### रेमडीसीवर इंजेक्शन ब्लैक कर रहे एक डॉक्टर समेत 3 लोग गिरफ्तार

**नोएडा।** कोविड-19 के अहम दवाओं में शामिल रेमडीसीवर इंजेक्शन ब्लैक कर रहे एक डाक्टर समेत तीन लोगों को थाना सेक्टर 24 पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर उनके पास से 3 इंजेक्शन बरामद किए हैं। थाना सेक्टर 24 के थानाध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने शुक्रवार को सुमित्रा हॉस्पिटल के पास से हमजा निवासी साहिबाबाद गाजियाबाद, मुजीब उर रहमान निवासी साहिबाबाद गाजियाबाद तथा डॉक्टर नुसरत इमाम निवासी मिलन विहार अपार्टमेंट एक्सटेंशन पटपड़गंज दिल्ली को गिरफ्तार किया है। सिंह ने बताया कि डाक्टर नुसरत के पास से पुलिस ने एक ब्रिजा कार में रखी रेमडीसीवर 100 एमजी के 3 इंजेक्शन बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क करते थे, तथा उन्हें ऊंचे दाम पर रेमडीसिवर इंजेक्शन बेचते थे। सिंह ने बताया कि इन लोगों ने पूछताछ के दौरान अपने गैंग में कुछ और लोगों के शामिल होने का खुलासा किया है। पुलिस उनकी जल्द ही गिरफ्तारी करेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला है कि कुछ अस्पतालों के कर्मचारी व डाक्टर मरीजों के परिजनों से संपर्क करके, गिरफ्तार आरोपियों से रेमडीसिवर इंजेक्शन मंगवा रहे थे। पुलिस उन डाक्टर व कर्मचारियों को भी चिह्नित कर रही है।

**इंजेक्शन को 25000 रुपये में बेचते थे-** वहीं, कुछ देर पहले खबर सामने आई थी कि दिल्ली पुलिस ने बड़ी संख्या में नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने के आरोप में बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के कोटद्वार से 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से रेमडेसिविर के 196 नकली इंजेक्शन जब्त किए गए हैं। आरोपी पहले ही दो हजार नकली इंजेक्शन बेच चुके हैं। दिल्ली पुलिस के आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने ट्विटर पर इस बाबत सूचना साझा की। उन्होंने बताया कि आरोपी इस नकली इंजेक्शन को 25000 रुपये में बेचते थे।

### उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में टीकाकरण केंद्र पर हंगामा, लोगों ने नर्स को मारा थप्पड़

**गाजियाबाद।** कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच लोगों का धैर्य टूटने की भी खबरें सामने आ रही हैं। ताजा मामला दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले का है। यहां पर टीका लगवाने आए लोगों ने हंगामा करने के साथ ही एक महिला स्टाफ नर्स को तमाचा मार दिया है। मामला बिगड़ने पर गाजियाबाद पुलिस को बुलाना पड़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात काबू में किया। दरअसल, वैक्सीन अब कोरोना संक्रमण रोकने के लिए कवच का काम कर रही है। ऐसे सर्व आने के बाद टीका लगवाने वालों की भीड़ जुटने लगी है। केंद्रों पर पहले टीका लगवाने की होड़ में अव्यवस्थाएं फैलने लगी हैं। शुक्रवार को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शास्त्रीनगर में सुबह को टीकाकरण के लिए लंबी लाइन लग गई। इसी बीच स्टाफ नर्स दीक्षा ड्यूटी पर पहुंचीं और केंद्र में प्रवेश करने लगी तो भीड़ ने उन्हें प्रवेश नहीं करने दिया। बताया कि वह स्टाफ नर्स है लेकिन किसी ने एक नहीं सुनी। स्टाफ नर्स को धक्का देकर नीचे गिरा दिया गया। इसके बाद एक काली टी शर्ट पहने व्यक्ति ने स्टाफ नर्स को तमाचा मार दिया। घटना के बाद नाराज पूरा स्टाफ बाहर आ गया और टीकाकरण बंद कर दिया गया। केंद्र की प्रभारी डॉ. दीप्ति यादव ने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस के साथ ही मौके पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी विश्राम सिंह भी पहुंच गए। मारपीट एवं हंगामा कराने वालों के खिलाफ लिखित में तहरीर दे दी गई। पुलिस की मौजूदगी में फिर से टीकाकरण शुरू किया गया।

प्रभारी ने बताया कि बाहर हंगामा करने के बाद कुछ लोगों ने केंद्र के भीतर पहुंचकर महिला स्टाफ के साथ बदतमीजी भी की। उनका कहना है कि ऐसे हालातों में विशेष टीकाकरण अभियान सफल होना मुश्किल है। कल से विशेष अभियान शुरू होना है। इसमें 18 वर्ष से 44 वर्ष के बीच के लोगों को भी टीका लगाया जाएगा।

### केंद्र सरकार के इस अस्पताल में बढ़ेगी कोविड बेड की संख्या, 2 सप्ताह में मरीजों को मिलेंगे 240 नए बेड

**नई दिल्ली।** दिल्ली में लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या के चलते अस्पतालों में बेड्स की संख्या भी में बढ़ोतरी की जा रही है। दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम अपने अधीनस्थ अस्पतालों को कोविड अस्पताल बनाकर बेड की व्यवस्था कर रही है। वहीं, केंद्र सरकार भी अपने अधीनस्थ अस्पतालों में लगातार बेड्स की व्यवस्था कर रही है। केंद्र सरकार ने अपने अधीनस्थ लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में 240 बेड की व्यवस्था करने की तैयारी की है। अगले 2 सप्ताह के भीतर इसकी सुविधा मरीजों को मिलने लगेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज का दौरा किया।

वहीं, अस्पताल में कोविड केंद्रों की व्यापक समीक्षा करते हुए इन केंद्रों को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं. केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि एडी.पी.डी ब्लॉक में 240 बिस्तर की सुविधा स्थापित की जा रही है. इसके बाद केन्द्रीय मंत्री ने टीकाकरण केन्द्र को देखा और अच्छी तरह अनुशासित तरीके से लोगों के टीकाकरण के लिए अस्पताल के प्रयासों की समीक्षा की. केंद्रीय मंत्री के निर्देशों को अनुसार कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों को नए शैक्षणिक खंड में बदला गया जिसके फलस्वरूप कलावती सरन बाल अस्पताल और श्रीमती सुचेता कृपलानीअस्पताल में बिस्तरों की क्षमता और बढ़ गई. ये दोनों अस्पताल लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से जुड़े हुए हैं. कलावती सरन बाल अस्पताल में 30 बिस्तर की क्षमता और सुचेता कृपलानी अस्पताल में 112 बिस्तरों की क्षमता बढ़ाई गई है. केन्द्रीय मंत्री ने नए शैक्षणिक ब्लॉक को कोविड वायरस को समर्पित किया और महामारी के खिलाफ लड़ाई में उनके अथक प्रयासों की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि कोविड वायरस ने चुनौतीपूर्ण समय में लोगों की समर्पित भावना से मदद की. डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज उस समय से कोविड के खिलाफ जंग में अग्रणी रहा है जब महामारी शुरू हुई थी. उन्होंने निर्देश दिया कि लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं का विस्तार जारी रहना चाहिए.

# आप विधायक शोएब इकबाल का बगावती रुख, दिल्ली में कर डाली राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

(आनंद राय)

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली से हैरान करने वाली खबर आ रही है। आम आदमी पार्टी के विधायक शोएब इकबाल ने बगावती रुख दिखाते हुए दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। आप विधायक शोएब इकबाल ने कहा कि दिल्ली में सरकार सिर्फ कागजों पर ही चल रही है। उन्होंने कहा कि मैं छह बार से विधायक हूं। मैं सबसे सीनियर विधायक हूं। कोई सुनने वाला नहीं है, कोई नोडल अधिकारी नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे में तुरंत प्रभाव से दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के हालात देखे नहीं जा रहे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो दिल्ली में लाशें बिछ जाएंगी। इसी के साथ आप विधायक शोएब इकबाल ने दिल्ली हाई कोर्ट से मांग की है कि राजधानी में तुरंत राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। यहां पर बता दें कि शोएब इकबाल मटिया महल सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव-2020 से पहले कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। यहां पर उन्होंने बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। शोएब इकबाल दिल्ली के बड़े नेताओं और विधायकों में शुमार किए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि एमएलए होने पर मुझे आज फख्र नहीं बेइज्जती महसूस हो रही है। अस्पतालों में न दवाइयां हैं और न ही बेड हैं और न ही ऑक्सीजन की आपूर्ति हो रही है। लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं। मैं किसी की मदद नहीं कर पा रहा हूं। सरकार साथ नहीं दे पा रही है।

**हूं तो मैं सीनियर एमएलए, लेकिन कर कुछ नहीं सकता**

आप विधायक शोएब इकबाल ने कहा कि कहने को तो मैं दिल्ली का सबसे सीनियर एमएलए हूं। मगर कोई सुनने वाला नहीं है। किसी से संपर्क नहीं कर सकते। अस्पतालों में नोडल अधिकारी कौन है कुछ पता नहीं चल रहा है। किसी की मदद नहीं की जा सकती है।

आप विधायक की तरफ से राष्ट्रपति शासन की मांग पर भाजपा और कांग्रेस राष्ट्रपति शासन के समर्थन में आ गए हैं। एक बड़े भाजपा नेता ने कहा है कि आप विधायक शोएब इकबाल सही कह रहे हैं। दिल्ली के हालात अरविंद केजरीवाल के हाथ से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने भी दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी।

## दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल कोरोना पॉजिटिव, खुद को घर में किया आइसोलेट, ट्वीट कर दी जानकारी

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी है। अनिल बैजल द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक, वह कोरोना वायरस संक्रमित हो गए है। उनकी कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने खुद को घर के कमरे में आइसोलेट कर लिया है। साथ ही उन्होंने अपील की है, जो भी हाल-फिलहाल में उनके संपर्क में आए हैं, वे अपना कोरोना का टेस्ट करवा लें। साथ ही उपराज्यपाल ने यह भी जानकारी ट्वीट में दी है कि हल्के लक्षण है, इसलिए घर पर ही रहूंगा। बता दें कि दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इसी के साथ मौतों की संख्या में इजाफा हो रहा है। बृहस्पतिवार को दिल्ली में 24 घंटे के दौरान 24235 नए मामले सामने आए, जबकि 395 लोगों की मौत हो गई। यह अब तक सबसे बड़ा आंकड़ा है।

यहां पर बता दें कि अनिल बैजल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अवकाश प्राप्त अधिकारी हैं। वह अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिमंडल में गृह सचिव के पद पर रह चुके हैं। अनिल बैजल 1969 बैच के आइएएस अधिकारी हैं और वह दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। वह अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में केंद्रीय गृह सचिव के पद पर भी थे, मगर यूपीए सरकार के सत्त्ता में आते ही उन्हें पद से हटा दिया गया था। इसके बाद उन्हें जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन से जोड़ दिया गया। अनिल बैजल 2006 में केंद्रीय शहरी विकास सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। अनिल बैजल रिटायर्ड होने के बाद थिंक टैंक विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन के कार्यकारी परिषद् का हिस्सा रहे। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी इसी फाउंडेशन से है। अनिल बैजल के बारे में बताया जाता है कि वे कानून-कायदे से चलने वाले शख्स हैं। व्यग्तिगत जीवन में वे बड़े ही रिजर्व रहते हैं।

## केंद्र सरकार ने किया स्पष्ट, राजधानी में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में वर्तमान कोरोना संकट से निपटने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है क्योंकि शहर के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उसी के अधिकार क्षेत्र में है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से यह स्पष्टीकरण मंगलवार से लागू दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार (जीएनसीटीडी) संशोधन अधिनियम, 2021 के मद्देनजर आया है। गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि जीएनसीटीडी अधिनियम में संशोधन से राष्ट्रीय राजधानी में निर्वाचित सरकार के संवैधानिक और विधिक दायित्वों में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा बल्कि यह बेहतर शासन सुनिश्चित करेगा। मंत्रालय ने कहा कि संशोधन निर्वाचित सरकार और उपराज्यपाल (एलजी) के उत्तरदायित्वों को परिभाषित करेगा और विधायिका व कार्यपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाएगा।

जीएनसीटीडी संशोधन अधिनियम, 2021 को लोकसभा व राज्यसभा ने क्रमशः 22 व 24 मार्च को पारित किया था और 28 मार्च को राष्ट्रपति ने अनुमोदित किया था। अधिनियम की धारा 21, 24, 33 और 44 को संशोधित किया गया है।बयान में कहा गया कि जीएनसीटीडी अधिनियम, 1991 में संशोधन किसी भी रूप में निर्वाचित सरकार के संविधान की राज्य और समवर्ती सूचियों में हस्तांतरित विषयों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा आदि सहित अन्य विषयों पर आवश्यक कार्रवाई करने के संवैधानिक व विधिक उत्तरदायित्वों में कोई बदलाव नहीं करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य राजधानी की जरूरतों के मुताबिक इसे और प्रासंगिक बनाना और निर्वाचित सरकार व उपराज्यपाल के उत्तरदायित्वों को परिभाषित करना है।बयान में कहा गया है, संशोधन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करेगा और दिल्ली के आम लोगों के लिए बनाई गई योजनाओं व कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन में उपयोगी होगा। यह संशोधन मौजूदा कानूनी व संवैधानिक प्रविधानों के मुताबिक है और सुप्रीम कोर्ट के चार जुलाई, 2018 और 14 फरवरी, 2019 के फैसलों के अनुरूप भी।नए कानून के मुताबिक, दिल्ली में सरकार का मतलब उपरायपाल है और दिल्ली की निर्वाचित सरकार को कार्यकारी फैसले लेने के लिए उपरायपाल से राय लेनी होगी।

## कोरोना से है बचाना तो मानें डॉक्टर की सलाह, एक साथ करें दो मास्क का प्रयोग

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में कोरोना इन दिनों कहर बरपा रहा है। लगातार तीन लाख से अधिक केस एक दिन में आ रहे हैं, जिसके कारण एक दिन में होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ गई है। वहीं, दिल्ली में हालात लगातार बेकाबू हो रहे हैं। सफदरजंग अस्पताल के नाक, कान और गला विशेषज्ञ डाक्टर कृष्ण राजभर का कहना है कि लोगों द्वारा पिछले दिनों बरती गई लापरवाही के कारण ऐसे हालात बने हैं। अब इससे बचने के लिए लोगों को दो मास्क का एक साथ प्रयोग करना होगा। इसमें एक मास्क एन-95 होना जरूरी है, जो वायरस को अंदर जाने में काफी कारगर होता है।

डाक्टर राजभर ने बताया कि पिछले साल वाला कोरोना का वायरस इस साल वाले वायरस से बिल्कुल अलग है। इस वायरस की प्रगति बदल गई है, जो बहुत ही खतरनाक हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी वायरस की जब प्रगति होती है तो वह अधिक खतरनाक हो जाता है। ऐसे में कोविड-19 का यह वायरस इस बार युवाओं और बचों को भी तेजी से अपनी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में लोगों राजधानी दिल्ली में अपनी जान बचानी है तो उन्हें एक एन-95 मास्क और एक थ्री लेयर मास्क का प्रयोग एक साथ करना होगा। जो वायरस को शरीर में प्रवेश करने से रोकता है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह वायरस हवा में घूम रहा है, जिससे अधिक लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। वहीं, दवाओं और इंजेक्शन की कमी पर डॉक्टर ने बताया कि अधिक मरीजों के होने पर ऐसा हो रहा है। अब जल्द ही हालात सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जो लोग प्राकृतिक तरीके से विटामिन और प्रोटीन का प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे लोगों को डॉक्टर की सलाह पर विटामिन सी और मल्टी विटामिन की दवाएं लेनी चाहिए, जो क्षमता बढ़ाने में उपयोगी होंगी।

## दिल्ली के मौसम को लेकर आईएमडी की सबसे ताजा भविष्यवाणी, लू करेगी परेशान या फिर चलेगी आंधी

**नई दिल्ली।** चुभन भरी गर्मी के बीच अगले एक सप्ताह तक मौसम का मिजाज कुछ नरम रहेगा। हर रोज दोपहर बाद धूल भरी आंधी चलने और हल्की बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। इससे तापमान भी कुछ कम रहेगा और गर्मी से भी आंशिक राहत मिलेगी। स्काईमेट वेदर के मुख्य मौसम विज्ञानी महेश पलावत ने बताया कि एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता और राजस्थान के आसपास कम दबाव वाला क्षेत्र बनने से छह मई तक रोजाना ही मौसम बदलता रहेगा। दोपहर तक तेज धूप रहेगी, जबकि शाम के समय आंधी और बारिश के आसार बन जाएंगे। इससे अधिकतम तापमान तीन मई तक 42 डिग्री के आसपास और फिर 40 डिग्री के आसपास रहेगा।

इससे पहले बृहस्पतिवार को भी दिनभर तेज धूप खिली रही। तापमान भी 42 डिग्री पार रहा, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी के साथ कहीं कहीं बूंदाबांदी हुई। बृहस्पतिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 42.1 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 23 से 63 फीसद रहा। स्पोर्टस कांप्लेक्स और नजफगढ़ दिल्ली के सर्वाधिक गर्म इलाके रहे। यहां का अधिकतम तापमान क्रमशः 44.1 और 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सर्वाधिक न्यूनतम तापमान स्पोर्टस कांप्लेक्स का 28.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

**दिल्ली एनसीआर की हवा कहीं खराब, कहीं बहुत खराब-** हरियाणा और पंजाब में फसली अवशेष जलाए जाने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पिछले 24 घंटे में इनकी संख्या 1,300 पार कर गई।

फसली अवशेषों के धुएं का ही नतीजा है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा कहीं खराब और कहीं बहुत खराब श्रेणी श्रेणी में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तरफ से जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार, बृहस्पतिवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 296 दर्ज किया गया। वहीं, फरीदाबाद का 282, गाजियाबाद का 368, ग्रेटर नोएडा का 318, गुरुग्राम का 257 और नोएडा का 319 दर्ज हुआ।

नई दिल्ली के पुरानी दिल्ली क्षेत्र में देर रात वितरित किए जा रहे मुफ्त ऑक्सीजन रिफिल के लिए लोगों की कतार लग गई।

## राजौरी गार्डन के एक घर में लगी आग, दमकलकर्मियों ने फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला

**नई दिल्ली।** दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में शुक्रवार तड़के एक घर में भीषण आग लग गई. मौके पर दमकल की गाड़ियों ने पहुंचकर स्थिति को काबू में किया और घर में फंसे तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. दिल्ली फायर सर्विस (छ्व्रस्) ने बताया कि तड़के 03ः46 बजे फायर कॉल आया जिसके बाद तुरंत वहां दमकल की गाड़ियां भेजी गई. डीएफएस ने बताया कि रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट करने के कारण घर में आग लगी थी.

आग एक एलआईजी फ्लैट की दूसरी मंजिल पर लगी थी. दमकलकर्मियों ने परिवार के तीन लोगों पति, पत्नी और उनकी एक बेटी को सुरक्षित बाहर निकाला और आग पर थोड़ी देर में काबू पा लिया. गर्मियों में तापमान बढ़ने के साथ आग लगने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं. इससे पहले गुरुवार को दिल्ली के ही बिजवासन इलाके में एक ट्रांसफार्मर में लगी आग नजदीक की दो झुग्गियों में फैल गई, जिससे गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में से चार नाबालिग थे.

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें वाल्मिकी कॉलोनी में एक ट्रांसफार्मर में आग लगने के बारे में देर रात साढ़े 12 बजे सूचना मिली जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची. बाद में पुलिस को वाल्मिकी कॉलोनी में सिलेंडर विस्फोट की सूचना मिली. ट्रांसफार्मर में लगी आग की लपटें तेजी से पास में स्थित दो झुग्गियों तक फैल गई, जिससे एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हो गया.

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिलेंडर विस्फोट में कमलेश (37), उसकी पत्नी बुधानी (32), उनकी 16 और 12 साल की दो बेटियों तथा छह और तीन साल के दो बेटों की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि दमकल अधिकारियों के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों ने शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल भेजा.

## दिल्ली में आज से शुरू नहीं होगा 18+ का कोरोना वैक्सीनेशन, सीएम केजरीवाल बोले- लाइन में न लगें, डेट हम बताएंगे

**नई दिल्ली।** देश की राजधानी दिल्ली में 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों को 1 मई से कोरोना का टीका नहीं लगाया जा सकेगा. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि अभी तक कंपनियों की ओर से कोरोना वैक्सीन की डोज नहीं मिली है. उन्होंने बताया कि एक या दो दिन में टीका मिलने की उम्मीद है.

सीएम केजरीवाल ने ऐसे में दिल्ली की जनता से 1 मई (शनिवार) को वैक्सीनेशन सेंटर पर लाइनों में न लगने की अपील की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि वैक्सीन उपलब्ध होते ही इसकी घोषणा कर दी जएगी. केजरीवाल ने कहा, कल या परसों तक कोरोना वैक्सीन मिल जाएगी. कंपनियों ने इस बाबत भरोसा दिलाया है. ऐसे में आप सबसे निवेदन है कि 1 मई को आप सेंटर पर लाइन में मत लगिएगा. भीड़ बढ़ने से कहीं कानून-व्यवस्था खराब न हो जाए. जब वैक्सीन आ जाएगी तो हम घोषणा करेंगे. सभी को कोरोना वैक्सीन लगाया जाएगा.

**दो कंपनियों से मांगें हैं 67-67 लाख डोज-** मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया कि दोनों कंपनियों (भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट) से हमने 67-67 लाख डोज़ देने के लिए निवेदन किया है. अगले 3 महीनों के अंदर ये डोज उपलब्ध कराने को कहा है. दिल्ली सरकार पेमेंट करने को तैयार है. उन्होंने कहा, कंपनियों से शेड्यूल मांगा गया है. 3 महीने का टार्गेट लिया है. इस अवधि में दिल्ली में सभी को वैक्सीन लगा दिया जाएगा. जिनको वैक्सीन लग जाती है वो काफ़ी सुरक्षित हो जाते हैं.

दिल्ली में काल बना कोरोना

दरअसल, दिल्ली में कोरोना वायरस काल बन गया है. दिल्ली में कोरोना के हालात में गुरुवार को भी कोई विशेष सुधार होता नहीं दिखा. दिल्ली में बीते 24 घंटे में कोरोना के 24, 235 नए मामले सामने आए हैं और 395 लोगों की मौत हुई है. अब दिल्ली में एक्टिव संक्रमित मरीजों की संख्या 97, 977 हो गई है.

बीते 24 घंटे में 25, 615 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है. इस समय दिल्ली में 53, 440 लोग होम आइसोलेशन में अपना इलाज करा रहे हैं, जबकि बीते 24 घंटों में दिल्ली में कुल 73, 851 सैंपल की कोरोना जांच की गई है, वहीं मृत्यु दर 1.40 ॿ के आस-पास है. अगर पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो वह लगातार 30 से 35 प्रतिशत के बीच बनी हुई है. बुधवार को भी पॉजिटिविटी रेट 32.82 ॿ था.

**380 मरीजों ने दम तोड़ा था**

वहीं, दिल्ली में बुधवार को भी कोरोना के 25, 986 नए मामले सामने आए थे और 368 लोगों की मौत हुई थी. बीते सोमवार को कोरोना के नए मामले में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन मंगलवार के बाद से कोरोना के मामले 24 हजार के पार रह रहे हैं. मंगलवार को दिल्ली में कोरोना के 24,149 नए केस सामने आए थे और 381 मरीजों की मौत हुई थी. सोमवार को दिल्ली में 20,201 नए केस सामने आए थे और 380 मरीजों ने दम तोड़ा था.

## एक ही परिवार के 45 सदस्यों का सैंपल लिया, सभी को दे दी फर्जी रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। लोग अपनी जांच नहीं करवा पा रहे हैं। कई अस्पतालों में जांच किट नहीं है। लोगों को आनलाइन जांच की भी सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में कुछ लैब लोगों को फर्जी तरीके से रिपोर्ट दे रही हैं। ऐसे ही एक गैंग के 5 लोगों को मालवीय नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने खिड़की एक्सटेंशन में रहने वाले एक ही परिवार के 45 सदस्यों को कोरोना की गलत रिपोर्ट दे दी।

पुलिस ने इस मामले में एक लैब टेक्नीशियम समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन्होंने सैंपल लिया मगर उसको किसी रिकॉर्ड में नहीं चढ़ाया बल्कि फर्जी रिपोर्ट दे दी। आरोपित genestring lab के नाम पर घर से सैंपल लेकर गए थे और उन्हें बिना लैब के रिकॉर्ड में चढ़ाए फर्जी जांच रिपोर्ट दे दी। पुलिस ने इस मामले में लैब का एक टेक्नीशियन को भी गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

इससे पहले उत्तरी जिला पुलिस ने रेमडेसिविर, फेविफ्लू जैसी दवाओं की कालाबाजारी के आरोप में भी कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। राजधानी में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, आक्सीमीटर जैसे उपकरण भी गायब होने लगे हैं। जबकि महंगे दामों पर इनकी कालाबाजारी भी खूब हो रही है। ऐसे ही एक मामले में उत्तरी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ और वाहन चोरी निरोधक दस्ता ने संयुक्त कार्रवाई कर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कालाबाजारी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के कब्जे से 170 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन बरामद की गई थी।

# संपादकीय

## देश को तत्काल चाहिए ऑक्सीजन

विशेषज्ञ पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य के लिए बजट बढ़ाने का सुझाव दे रहे हैं। यह अच्छी सलाह सरकार के बहरे कानों पर पड़ती रही है! आज हम विशेषज्ञों की सलाह के प्रति शिथिलता दिखाने के नतीजे भुगत रहे हैं। हम स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा के परिणामों का सामना कर रहे हैं। कुछ लोग निश्चित रूप से विशेषज्ञों की सलाह का लाभ भी उठा रहे हैं। भारत पिछले कुछ हफ्ते से रोजाना संक्रमण में तेज उछाल का सामना कर रहा है। देश में 21 अप्रैल, 2021 को लगभग तीन लाख मामले सामने आए हैं और दो हजार से अधिक मौतें हुई हैं। आंकड़े 2020 में महामारी फैलने के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर दर्ज किए जा रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें अस्पतालों में ऑक्सीजन की उपलब्धता न होने के कारण कोरोना प्रभावित व्यक्ति अपनी जान गंवा बैठे। दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, गुजरात जैसे राज्यों ने ऑक्सीजन की कमी की सूचना दी है। एक राज्य द्वारा दूसरे पर राजनीतिक रूप से आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि ऑक्सीजन की लूट हो रही है और उसके परिवहन को रोका जा रहा है। जब आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, तब जिन लोगों को हमने चुना है, वे ध्यान भटकाने के लिए एक अनावश्यक बहस को तेज करने में व्यस्त हैं। आज ऑक्सीजन की कमी के चलते कोविड से होने वाली मौतें वास्तविक मुद्दा हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि क्या यह वास्तव में ऑक्सीजन की कमी है? क्या चालू वित्त वर्ष के दौरान उत्पादन कम हुआ है या निर्यात अधिक हुआ है? वाणिज्य विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि देश ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान वर्ष 2015 की तुलना में ऑक्सीजन का दोगुनी मात्रा में निर्यात किया है। यह निर्यात चिकित्सा सेवा और औद्योगिक, दोनों ही तरह के उपयोगों के लिए किया गया है।

वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 4,502 मीट्रिक टन की तुलना में अप्रैल 2020 से जनवरी 2021 के बीच 9,000 मीट्रिक टन से अधिक ऑक्सीजन का निर्यात किया गया। जाहिर है, कोरोना के कारण दुनिया में तरल चिकित्सकीय ऑक्सीजन की मांग पिछले साल ही बहुत बढ़ गई थी। उत्पादन भी खूब बढ़ा है। मार्च-मई 2020 के दौरान 2,800 मीट्रिक टन ऑक्सीजन का प्रतिदिन उत्पादन हो रहा था। हालांकि, मौजूदा लहर के दौरान प्रतिदिन मांग 5,000 टन तक पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि अब भारत में प्रतिदिन 7,000 मीट्रिक टन से अधिक तरल ऑक्सीजन का उत्पादन होता है, जो 5,000 टन की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसलिए कमी उत्पादन की वजह से नहीं है। असमान आपूर्ति और परिवहन की वजह से ही अनेक राज्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर पा रहे। अन्य सभी संसाधनों की तरह ही ऑक्सीजन की कमी का कारण असमान वितरण में निहित है। जिन राज्यों में कोरोना मामले बढ़े हैं, वे राज्य ऑक्सीजन की कमी का सामना कर रहे हैं। ऑक्सीजन उत्पादन स्थलों और मांग स्थलों के बीच की दूरी के कारण संकट पैदा हुआ है। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्य, जहां कोरोना मामले काफी अधिक हैं, वहां ऑक्सीजन की मांग भी बहुत दर्ज हो रही है। इन राज्यों में सुधार ऑक्सीजन टैंकरों और समय से उनकी आपूर्ति पर टिका है। गुजरात में अपनी मांग को पूरा करने जितनी उत्पादन-क्षमता है, जबकि महाराष्ट्र में अभी हो रहे उत्पादन से कहीं अधिक मांग है। वर्तमान में तरल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए जरूरी क्रायोजेनिक टैंकर भी पूरे नहीं हैं, क्योंकि कई अस्पताल एक ही समय में ऑक्सीजन की कमी का सामना कर रहे हैं। सभी गंभीर रोगियों के जीवन को बचाने के लिए चिकित्सा सेवाओं पर दबाव है और इसलिए एक ही समय में सभी को ऑक्सीजन प्रदान करना अपरिहार्य हो गया है। ऑक्सीजन सबको चाहिए, किसी को भी प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। इसलिए जरूरत है ऐसे वाहनों को तैयार करने की, जो तरल ऑक्सीजन को ले जा सकते हों, क्योंकि निर्धारित क्रायोजेनिक टैंकरों के निर्माण में 4-5 महीने तक लग सकते हैं। इसलिए ऐसे वाहनों के निर्माण की योजना को दूसरे चरण में शुरू किया जा सकता है। कुछ राज्यों में संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। क्रायोजेनिक ट्रक के निर्माण के लिए प्रतीक्षा करने से मकसद पूरा नहीं हो सकता। ऐसे वाहनों का निर्माण बाद में भी कभी हो सकता है। संकट के इस समय में ट्रेनों का इस्तेमाल किया जा सकता है, ताकि जरूरतमंद राज्यों की कमी को पूरा किया जा सके। आज के समय में अस्पतालों को तनाव से राहत देने के लिए ऑक्सीजन का आयात भी संभव है। सरकार ने 50,000 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आयात करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए देश भर में सार्वजनिक अस्पतालों में 162 ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना को भी मंजूरी दी गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में चिकित्सकीय ऑक्सीजन की खपत कुल उत्पादन क्षमता का केवल 54 प्रतिशत है, 12 अप्रैल 2021 तक। अब ऑक्सीजन के आयात के साथ-साथ मौजूदा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने से मांग पूरी होने की संभावना है। यहां एक बैकअप के रूप में औद्योगिक ऑक्सीजन को रखना चाहिए। अब हमें ऑक्सीजन की मांग में वर्तमान और संभावित उछाल को देखते हुए ही ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना करनी पड़ेगी। संयंत्र की जगह को बहुत विवेकपूर्ण ढंग से तय करना महत्वपूर्ण है। आने वाले कुछ सप्ताहों में रोजाना आ रहे संक्रमित मामलों को कम करने की जरूरत है। यह बहुत जरूरी है कि कम से कम लोगों को संक्रमण हो, ताकि मरीजों के दबाव में आई स्वास्थ्य व्यवस्था को खुद को तैयार करने के लिए वक्त मिल जाए। यदि संक्रमण की श्रृंखला जल्द नहीं टूटती है और मामलों में वृद्धि जारी रहती है, तो भारत गंभीर ऑक्सीजन संकट में फंस सकता है। वैसी स्थिति न बने, यह कोशिश सरकार को युद्ध स्तर पर करनी चाहिए। संक्रमित मरीजों के परिजनों को किसी भी अस्पताल से उस चीज के लिए कतई लौटाया न जाए, जिसका मूल पदार्थ प्रकृति द्वारा बिना लागत उपलब्ध है।

प्रवीण कुमार सिंह

# कोरोना काल में संघ व सामाजिक समरसता, संकट में पूरी तन्मयता से देश के साथ खड़ा

**असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड के सुदूर करीब 4,500 गांवों में लगभग पांच हजार स्वास्थ्य मित्र कार्य कर रहे हैं। महाराष्ट्र की घुमंतू जातियों के बीच 20 वर्षों से भी अधिक समय से वहां सेवा कार्य चल रहे हैं। वहां उनके लिए घर नहीं हैं। राशनकार्ड नहीं हैं। मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। उनके लिए कोई खास रोजगार भी नहीं है और उनके बच्चों को किसी प्रकार की शिक्षा भी नहीं मिलती है। इनमें से अधिकांश व्यसनी हैं तथा अपराधों में शामिल रहते हैं। ऐसी दर्जनभर घुमंतू जातियों के उत्थान के लिए स्वयंसेवक निरंतर सेवा कार्य कर रहे हैं। महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए 50 हजार से भी अधिक महिलाएं इस सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान कर रही हैं। इसी के जरिये आज महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं।**

विगत वर्ष लॉकडाउन के दौर में सरसंघचालक मोहन भागवत जी ने 'वर्तमान परिदृश्य और हमारी भूमिका' विषय पर बोलते हुए कहा था कि हमारी परंपरा एकांत में आत्मसाधना और लोकांत में परोपकार की पोषक है। उन्होंने यह संकेत भी किया कि इस कोरोना महामारी के काल में संघ के कार्य प्रत्यक्ष रूप से भले ही बंद रहे हों, लेकिन जैसे लॉकडाउन में जीवन चलता रहा है, ठीक वैसे ही संघ के कार्य भी चलते रहे। उस समय नित्य के कार्यक्रम भले ही बंद रहे, किंतु उनकी जगह दूसरे कार्यक्रमों ने ले ली थी। उन कार्यों में सेवा का कार्य प्रमुख रहा था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि अपना प्रमुख कार्य तो इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयं को अच्छा बनाने के साथ साथ अपने प्रयास से दुनिया को भी अच्छा बनाना है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 130 करोड़ भारतवासी उनका परिवार है और यहां रहने वाले सब भाई-बंधु हैं। इसलिए सेवा की जरूरत जिसे सबसे अधिक है उसके लिए मदद बिना किसी भेदभाव के वहां सबसे पहले पहुंचनी चाहिए। उनका स्पष्ट मानना है कि सेवा करते समय हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि सभी मनुष्य समान हैं। वह इसलिए, क्योंकि प्रत्येक मनुष्य में वही ईश्वर तत्व समान रूप से व्याप्त है। इस सच को ऋषियों, मुनियों, संतगुरुओं और समाज सुधारकों ने भी अपने अनुभव और आचरण के माध्यम से पुष्ट किया है। यहां इस सच को कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि इस श्रेष्ठ चिंतन के आधार पर जब-जब हमारी सामाजिक व्यवस्थाएं और हमारे दैनिक जीवन में श्रेष्ठ आचरण का संरक्षण रहा, तब तब भारत एकात्म, समृद्ध और अजेय राष्ट्र रहा। दूसरी ओर जब-जब हमारे इस श्रेष्ठ जीवन के दर्शन का हमारे व्यवहार में क्षरण हुआ, तब तब समाज पतन की ओर गया। जाति के आधार पर ऊंच-नीच

की भावना बढ़ी तथा अस्पृश्यता जैसी अमानवीय कुप्रथा का विस्तार हुआ।

वर्ष 2016 के मार्च माह में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने भी सर्वसम्मत रूप से माना था कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनंदिन जीवन में व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक स्तर पर अपने इस सनातन और शाश्वत जीवन दर्शन के अनुरूप समरसतापूर्ण आचरण करना चाहिए। ऐसे आचरण से ही समाज में जातिभेद, अस्पृश्यता और परस्पर अविश्वास का आचरण समाप्त होगा तथा संपूर्ण समाज शोषणमुक्त, एकात्म और समरस जीवन का अनुभव कर सकेगा। वास्तविकता यह है कि संघ कार्य में समरसता के भाव से महात्मा गांधी से लेकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर तक भलीभांति परिचित भी रहे और संघ विचारधारा से प्रभावित भी हुए।

इसमें कोई संदेह नहीं कि जातिभेद से परे हिंदू नवयुवकों को इस समरस पथ की ओर मोड़ने वाले हेडगेवार थे तथा उनकी इस कल्पना को 'न हिंदू पतितो भवेत' जैसे विशाल भाव को सामूहिक उद्घोष में रूपांतरित करने वाले द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरु जी थे। तृतीय सरसंघचालक बाला साहेब देवरस ने संघ की आंतरिक संरचना में समरसता के शिल्प की रचना की। यही वजह रही कि संघ की हर अग्रगामी पीढ़ी के वलय के साथ समरसता का संकल्प निरंतर गहरा होकर समाज में संघकार्य की स्वीकार्यता में वृद्धि कर रहा है।

तृतीय सरसंघचालक बाला साहेब देवरस ने मार्च 1977 में दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि संघ एक ऐसा समरस समाज विकसित करना चाहता है जहां किसी के साथ जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होगा। परंतु यह समरस एवं समृद्ध समाज भाषणों या नारों से नहीं बनाया जा सकता। ऐसे समाज के निर्माण के लिए एक कठिन तपस्या की आवश्यकता होगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जातिगत भेदभाव तथा अस्पृश्यता हमारे समाज में घातक रोग है। अब समय आ गया है कि स्वयं कृष्ण को सुदामा के घर जाना होगा। स्वयं जाकर समस्याओं को समझना होगा तथा उनका निदान भी करना पड़ेगा। संघ के स्वयंसेवकों को समाज के वंचित, पीड़ित एवं पिछड़े वर्गों की सेवा के लिए उनकी बस्ती में जाना होगा। उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना होगा। अभी तक राजनीतिक दल उनकी गरीबी, अशिक्षा और अज्ञानता को अपनी सत्ता के लिए उन्हें भुनाते रहे हैं। संघ को एक ऐसी राह अपनानी होगी ताकि वे अपनी गरीबी और अशिक्षा से स्वयं लड़ सकें। इससे भी आगे बढ़कर उनके बीच सेवा कार्य करने होंगे। उनकी याचना की प्रवृत्ति को दूर करते हुए उनके स्वावलंबन के लिए कार्य करना होगा। वर्ष 2018 में दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में भी सरसंघचालक मोहनराव भागवत ने स्पष्ट कहा था कि संघ एक मैथोडोलॉजी है। वह व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है। इसलिए हमको भेदमुक्त समाज चाहिए, समतायुक्त समाज चाहिए और शोषणमुक्त समाज के साथ साथ स्वार्थरहित समाज चाहिए। यही समाज के समरस होने की संकल्पना है।

खास बात यह है कि संघ सेवा के माध्यम से समाज में समरसता के निर्माण करने का साधन भी है। संघ के लिए सेवा का अर्थ निस्वार्थ भाव से कर्तव्यबोध लेकर समाज के अभावग्रस्त, पीड़ित तथा वंचित लोगों के कष्ट दूर करते हुए उनको सशक्त बनाना है। आज समाज में एक बड़ा वर्ग अभावग्रस्त, पीड़ित तथा वंचित है। कुरीतियों का शिकार है। ऐसे लोगों के परिवारों में जाकर उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन तथा संस्कारों की शिक्षा देकर मुख्यधारा में लाना आवश्यक है। इसी भाव को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में संघ द्वारा सेवा कार्य के लिए समर्पित सेवा विभाग प्रारंभ किया गया। आज देश में 800 से भी अधिक छोटी-बड़ी संस्थाओं द्वारा 1.55 लाख सेवा कार्य स्वयंसेवकों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। ये संस्थाएं पूर्णतया स्वावलंबी और स्वायत्त हैं। इन संस्थाओं में गांव स्तर की लघु सेवा से लेकर प्रदेश स्तर तक की बड़ी संस्थाएं शामिल हैं। प्रदेश स्तर पर कार्यरत संस्थाएं सेवा भारती के नाम से जानी जाती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर सेवा करने वाली संस्था राष्ट्रीय सेवा भारती है। इसका मुख्यालय दिल्ली में है। इनके द्वारा किए जाने वाले सेवा कार्यों के चार प्रमुख आयाम हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक संस्कार और स्वावलंबन प्रमुख हैं।

आज नगरीय क्षेत्र की झुग्गी झोपड़ियों तथा पिछड़े हुए क्षेत्रों में अनेक सेवा कार्य चल रहे हैं। वर्तमान में देश में 10 करोड़ से भी अधिक अपने जनजातीय बंधु हैं जिन्हें हम आदिवासी कहते हैं। ऐसे अनेक क्षेत्रों में सेवा कार्य चलते हैं। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड के सुदूर करीब 4,500 गांवों में लगभग पांच हजार स्वास्थ्य मित्र कार्य कर रहे हैं। महाराष्ट्र की घुमंतू जातियों के बीच 20 वर्षों से भी अधिक समय से वहां सेवा कार्य चल रहे हैं। वहां उनके लिए घर नहीं हैं। राशनकार्ड नहीं हैं। मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। उनके लिए कोई खास रोजगार भी नहीं है और उनके बच्चों को किसी प्रकार की शिक्षा भी नहीं मिलती है। इनमें से अधिकांश व्यसनी हैं तथा अपराधों में शामिल रहते हैं। ऐसी दर्जनभर घुमंतू जातियों के उत्थान के लिए स्वयंसेवक निरंतर सेवा कार्य कर रहे हैं। महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए 50 हजार से भी अधिक महिलाएं इस सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान कर रही हैं। इसी के जरिये आज महिलाएं स्वावलंबी बन रही हैं।

# विधायिका, कार्यपालिका द्वारा हमारे अधिकारों को चुनौती दिए जाने पर हम किसकी शरण में जाते हैं?

हाल के दौर में न्यायपालिका हमलों के केंद्र में रही है। आरोपों की आड़ में हमला करने वालों का दावा है कि अब यह संस्थान स्वतंत्र एवं भरोसेमंद नहीं रहा, जबकि वास्तविकता यही है कि न्यायपालिका ने नागरिकों की स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की है। ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका की निष्पक्षता पर अभी सवाल उठे हों। ऐसे प्रश्न स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही उठते रहे हैं। केवल भारत ही नहीं, दूसरे लोकतंत्रों में भी यह बहुत आम है। अमेरिका का ही उदाहरण लें, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी एक पहल की गई है। इसके पीछे डेमोक्रेट्स की यह दलील है कि सुप्रीम कोर्ट में रिपब्लिकंस की भरमार है। ऐसे में उन्होंने अमेरिकी संसद में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या नौ से बढ़ाकर 13 करने का प्रस्ताव है। संघीय सरकार इस पर एक आयोग की नियुक्ति करने के बारे में विचार कर रही है, पर क्या इससे मौजूदा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट संदिग्ध हो जाता है।

अक्सर ऐसी बहसों में यह भुला दिया जाता है कि संस्थानों की विश्वसनीयता पर ऐसी चर्चा केवल लोकतंत्रों में ही होती हैं। क्या किसी ने चीन या शरीयत पर चलने वाले इस्लामिक देशों से ऐसी कोई खबरें सुनी हैं? चूंकि हम एक गतिशील लोकतंत्र हैं तो ऐसी बहस चलनी ही चाहिए, लेकिन हमें उसे एक मर्यादा के दायरे में रखना होगा। खासतौर से तब जब बात उच्चतर न्यायपालिका की हो रही हो। इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर तमाम बेलगाम लोग सक्रिय हैं, जो न्यायपालिका पर उल-जुलूल टिप्पणियां करते रहते हैं। ऐसी टिप्पणियां करने के मोह से बचा जाना चाहिए। इसी महीने सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी व्यक्ति को अपनी पसंद से मत-मजहब के चयन का अधिकार है। अदालत ने उस याचिका को खारिज करते हुए यह निर्णय सुनाया, जिसमें मांग की गई थी कि शीर्ष अदालत मतांतरण रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश जारी करे। अदालत ने न केवल उस याचिका को खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता को चेतावनी भी दी कि यदि वह इस पर अड़े रहे तो उन्हें उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अदालत के इस रुख में संविधान के अनुच्छेद 25 की ही प्रतिध्वनि सुनाई पड़ती है, जो अंतःकरण की और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इसमें अंतःकरण की स्वतंत्रता का दायरा अत्यंत व्यापक है, जो किसी व्यक्ति को अपना पंथ, संस्कृति, विचारधारा और ऐसे तमाम मसलों पर अपनी पसंद निर्धारित करने का अधिकार प्रदान करता है। उक्त याचिका खारिज करने के अलावा अदालत ने कुरान से 26 आयतें हटाने से जुड़ी एक अर्जी को भी नामंजूर कर दिया, जिसे लगाने वाले शख्स का दावा था कि इन आयतों का दुरुपयोग आतंकी समूहों द्वारा युवाओं को गुमराह कर दूसरे मजहब के लोगों पर हमला करने के लिए उकसाने में किया जा रहा है। शीर्ष अदालत के एक और हालिया फैसले ने नागरिकों की वाक् स्वतंत्रता के अधिकार को पुनः पुष्ट किया। उसने शिलांग टाइम्स की संपादक पैट्रिशिया मुकीम के खिलाफ एफआइआर को रद कर दिया। मुकीम ने पिछले वर्ष जुलाई में एक फेसबुक पोस्ट में लिखा था कि मेघालय के एक इलाके में आदिवासियों ने बास्केटबॉल खेल रहे छह गैर-आदिवासियों पर हमला किया। वह हमलावरों पर कार्रवाई चाहती थीं। उनके इस रुख से कुपित होकर स्थानीय आदिवासी नेताओं ने उन पर यह आरोप लगाते हुए कि वह दो वर्गों के बीच वैमनस्य पैदा करना चाहती हैं, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 के तहत एफआइआर दर्ज करा दी। वास्तविकता में उनकी उक्त पोस्ट में ऐसा कुछ था ही नहीं। वह केवल कानून के प्रवर्तन की मांग कर रही थीं। उनके मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एल नागेश्वर और एस रवींद्र विष्ट की पीठ ने कहा कि इस देश के नागरिकों को आपराधिक मामलों में फंसाकर उनकी वाक् स्वतंत्रता को नहीं छीना जा सकता। उन्होंने कहा कि उनकी फेसबुक पोस्ट में कोई हेट स्पीच नहीं थी। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही नहीं, हाईकोर्ट भी इस मामले में बहुत मुखर हैं। इस लिहाज से इलाहाबाद हाईकोर्ट के कुछ हालिया फैसलों का उल्लेख समीचीन होगा। गत वर्ष दिसंबर में इस हाईकोर्ट ने यशवंत सिंह नाम के एक व्यक्ति के खिलाफ एफआइआर को खारिज किया। यशवंत ने एक ट्वीट में लिखा था कि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश की कानून एवं व्यवस्था बहुत बिगड़ गई है और यहां जंगलराज कायम हो गया है। इस ट्वीट को आधार बनाकर उनके खिलाफ मानहानि और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत एफआइआर दर्ज की गई। अदालत ने अनुच्छेद 19 के आधार पर मामले को खारिज करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था को लेकर असहमति व्यक्त करना तो हमारे जैसे संवैधानिक एवं उदार लोकतंत्र की थाती है।

## चुनाव आयोग की चूक

मद्रास हाईकोर्ट ने देश में कोरोना की विनाशकारी दूसरी लहर के मद्देनजर चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान बरती गई ढिलाई के लिए उसे कड़ी फटकार लगाते हुए यहां तक कह दिया कि आयोग के अधिकारियों पर संभवतः हत्या का मुकदमा चलना चाहिए। हत्या के मुकदमे वाली बात को अदालत की अत्यधिक नाराजगी का संकेत मान लिया जाए तो भी इसमें दो राय नहीं कि कोरोना की दूसरी लहर की गंभीरता को समझने में चुनाव आयोग से चूक हुई है। वह चुनावी रैलियों में उमड़ती भीड़ और उनमें कोरोना प्रोटोकॉल की अनदेखी को समय रहते रोकने का अपना दायित्व पूरी तरह से नहीं निभा पाया। वैसे, आयोग ने कहा कि उसने चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल पर अमल कराने की पूरी कोशिश की। लेकिन हकीकत उसके दावे से मेल नहीं खाते। तथ्य यह है कि कोरोना की दूसरी लहर की चर्चा पहले चरण की वोटिंग शुरू होने से पहले से ही होने लगी थी। फिर भी पहले चरण का वोट पड़ने के ठीक बाद यानी 28 मार्च को नए मरीजों की संख्या करीब 62 हजार थी। उसके बाद इसमें जिस तेजी से इजाफा हुआ वह किसी का भी ध्यान खींचने के लिए काफी था।

अगले ही चरण यानी 1 अप्रैल की वोटिंग के दिन यह संख्या बढ़कर 81,466 हुई और 6 अप्रैल तक 1,15,736 हो गई। इस दिन असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में वोटिंग समाप्त हो गई। अब सिर्फ पश्चिम बंगाल में पांच चरणों की वोटिंग बाकी रह गई थी। सभी पार्टियों का जोर इसी राज्य पर आ गया और यहां बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित करने की होड़ चलती रही। इस बीच हर फेज की वोटिंग तक नए केसों की संख्या बढ़ती जा रही थी। 10 अप्रैल को यह संख्या डेढ़ लाख के पार हुई तो 16 अप्रैल को ढाई लाख से ऊपर हो गई। मीडिया में चुनाव रैलियों पर रोक लगाने की जरूरत लगातार बताई जा रही थी। यहां तक कि लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस ने अपनी तरफ से कोरोना संक्रमण के मद्देनजर राज्य में बड़ी रैलियां न करने का ऐलान कर दिया। लेकिन चुनाव आयोग ने रोड शो और बड़ी रैलियों पर रोक लगाने की घोषणा 22 तारीख को की, जब खुद प्रधानमंत्री ने कोरोना संबंधी बैठकों की वजह से पश्चिम बंगाल का चुनावी दौरा रद्द कर दिया। तब तक रोजाना नए मामलों की संख्या बढ़कर 3,32,921 हो चुकी थी। चुनाव आयोग एक जिम्मेदार संस्था है। इसलिए उससे समय रहते इस गलती को सुधारने की उम्मीद थी। उसने आखिरकार बड़ी रैलियों पर रोक लगाई भी, लेकिन देर से। उम्मीद की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग ही नहीं अन्य तमाम एजेंसियां भी इस उदाहरण से सबक लेंगी और अपना संवैधानिक और कानूनी दायित्व पूरा करने में किसी तरह की सुस्ती या उदासीनता के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेंगी।

# राष्ट्रवाद की चपेट में कोरोना वैक्सीन, टीका निर्यातक हमारा देश करेगा इसका आयात

**दूसरी और तीसरी लहर में कोरोना का कठोर रूप जो कहर ढा रहा है, उससे टीका व कोरोना से जुड़ी दवा निर्माता कंपनियों का अनुमान है कि यह बाजार दो से तीन साल के भीतर 4,165 अरब रुपये का हो जाएगा। भारत की कोविशील्ड और कोवैक्सीन की नजर भी इस बाजार पर है। कोवैक्सीन अब तक की सबसे सस्ती वैक्सीन है। उसकी नजर गरीब व मध्यम आय वाले देशों पर है, जो वैक्सीन हासिल करने के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए हैं। कोविशील्ड भी इन्हीं देशों में बाजार तलाश रही है। इसलिए कोविशील्ड भारत सरकार द्वारा की जा रही खरीदी से बाहर निकलकर खुले बाजार में वैक्सीन का निर्यात करके अपनी धाक जमाना चाहती है। भारत बायोटेक जो कोवैक्सीन बना रही है उसकी वैक्सीन सप्लाई चेन करीब 80 देशों में फैली हुई है।**

आज समूचा देश कोरोना महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है। इससे बचने के एकमात्र उपाय कोरोना वैक्सीन की कमी ने दिक्कत बढ़ा दी है। भारत में वैक्सीन निर्माण पर असर पड़ा है। इस समय जब भारतीय कंपनियां वैक्सीन उत्पादन में तेजी लाते हुए दुनियाभर में इसकी उपलब्धता को बढ़ाने के प्रयासों में जुटी हैं, वैसे में अमेरिका और यूरोपीय देशों की आत्मकेंद्रित सोच ने इनकी राह में बाधाएं पैदा कर दी हैं। इन देशों ने वैक्सीन निर्माण के लिए जरूरी कच्चे माल के निर्यात पर रोक लगा दी है। भारत की सबसे बड़ी टीका निर्माता कंपनी एसआइआइ यानी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने इस समस्या के निदान के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग भी की है। जबकि भारत पिछले एक वर्ष से इस संक्रमण से लगातार जूझ रहा है। जाहिर है, शासन-प्रशासन के सामने वे सब कमियां आई होंगी, जिनसे सबक लेकर यदि इस आपदा की पुनरावृत्ति होती है तो कारगर ढंग से निपटा जा सके। लेकिन देखने में आ रहा है कि हमारे पास भारतीय वैक्सीन की जो खुराकें अतिरिक्त मात्र में थीं, उन्हें हमने पड़ोसी देशों को उदारतापूर्वक दान दे दिया और अब पश्चिमी देशों की ओर ताक रहे हैं। इन्हीं देशों ने राष्ट्रवाद को प्रमुखता देते हुए भारत को वैक्सीन का कच्चा माल देने से इन्कार कर दिया। इधर ऑक्सीजन की समस्या भी विकराल होकर उभरी है। जबकि इस समस्या से घरेलू स्तर पर निपटा जा सकता था। लेकिन देश और प्रदेश के नेतृत्वकर्ताओं ने विधानसभा चुनावों को ज्यादा महत्वपूर्ण समझा, जिसके नतीजे अब भुगतने पड़ रहे हैं।इस बीच अमेरिका की बाइडन सरकार ने इस रोक के लिए

'रक्षा उत्पादन अधिनियम' को बहाना बनाया है। नतीजतन एसआइआइ को कच्चे माल के रूप में अमेरिका से आयात किए जाने वाले एकल उपयोगी ट्यूब, असेंबली एडज्यूवेंट समेत कुछ रसायन आयात करने में दिक्कतें आने लगी हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पूरे कार्यकाल में 'अमेरिका प्रथम' का नारा खुले रूप में लगाते रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने वीजा और अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के नियमों को कठोर भी बनाया था। हालांकि बाइडन ने राष्ट्रपति बनते ही वीजा नियमों को कुछ हद तक शिथिल कर दिया है। ट्रंप के बारे में दुनिया में यह धारणा बन गई थी कि उन्होंने राष्ट्रवाद को महत्व दिया, ताकि अमेरिका वैश्विक व्यापार में अग्रिम पंक्ति में रहे, इसलिए अमेरिका प्रथम की नीति अपनाई। किंतु अब वैक्सीन के कच्चे माल को लेकर जो हकीकत सामने आ रही है, उससे यह साफ है कि बाइडन भी ट्रंप की विदेश नीति में प्रच्छन्न राष्ट्रवाद और स्वदेशी की अवधारणा को अपना रहे हैं। बस वे इतनी कुटिल चतुराई जरूर बरत रहे हैं कि ट्रंप की तरह अंदरूनी व्यापारिक रणनीतियों को उजागर नहीं कर रहे। इस प्रतिबंध के पीछे यूरोपीय देशों की भी यही मंशा है कि भारत में निर्मित कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मांग सस्ती और प्रभावी होने के कारण जिस तेजी से बढ़ रही है, उसके चलते अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और अन्य देशों में निर्मित वैक्सीन कहीं वाणिज्य की प्रतिस्पर्धा में पिछड़ न जाएं?

इस बाबत इन कथित 'विश्व ग्राम' के पैरोकारों का यह कहना भी थोथा साबित हो रहा है कि विदेश नीति और आर्थिक विकास की उदारवादी अवधारणा को लेकर उनका नजरिया राष्ट्रवादी और विकासशील देशों से कहीं बेहतर है। अमेरिका ईरान परमाणु संधि और पेरिस जलवायु समझौते को दुनिया की हितपूर्ति का माध्यम बताकर अपनी पीठ थपथपाता रहा है। हालांकि ट्रंप जलवायु समझौते का विरोध करके बार-बार यह जताते रहे थे कि इससे अमेरिका के आर्थिक हितों को पलीता लगा है और सबसे ज्यादा लाभ भारत, चीन उठा रहे हैं।

भारत जिस तरह से वैक्सीन निर्माण और उसके वितरण में वैश्विक स्तर पर अग्रिम पंक्ति में आ खड़ा हुआ है, उसके चलते यह आशंका दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही थी कि वह खुद वैक्सीन की कमी के संकट से घिर जाएगा। इस हकीकत से निश्चिंत रहते हुए ही भारत ने अपने कई पड़ोसी देशों को मुफ्त में वैक्सीन की करोड़ों खुराकें देकर अभिभावक जैसी उदारता दिखाई थी। लेकिन अब वैक्सीन के क्षेत्र में दुनिया की राजधानी माने जाने वाले भारत को उस वैक्सीन को निर्यात करने पर विवश होना पड़ रहा है जिसका मानव परीक्षण भारत के लोगों पर हुआ ही नहीं है। साथ ही, इनके त्रिस्तरीय मानव परीक्षण के आंकड़े भी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। हालांकि इन कमियों को नए नियमों के चलते 'न्यू ड्रग्स एंड क्लीनिकल ट्रायल्स रूल्स 2019' में दवा परीक्षण के परिप्रेक्ष्य में जो छूटें दी गई हैं, उसके तहत कुछ सैकड़ा लोगों पर परीक्षण कर ट्रायल पूरा कर लिया जाएगा। सात दिन ये लोग चिकित्सकों की निगरानी में रहेंगे। रूस से जिस स्पुतनिक टीके के आयात को मंजूरी मिली है, उसे इस प्रक्रिया से गुजारने के बाद ही जन-साधारण को लगाया जाएगा।

अमेरिका ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए फाइजर बायोएनटेक और मॉडर्ना की वैक्सीनों को दिसंबर 2020 में ही मंजूरी देकर टीका लगाना शुरू कर दिया था। इन्हें लगभग 94 प्रतिशत तक प्रभावी माना जा रहा है। इसके बावजूद यह भरोसा नहीं किया जा रहा कि ये वैक्सीन कितने समय तक सुरक्षा मुहैया कराएंगी। इसलिए फाइजर ने कोरोना के नवीनतम रूप बी-1.351 के खिलाफ नई वैक्सीन का विकास शुरू कर दिया है। मॉडर्ना ने भी इस स्वरूप को बेअसर करने वाली नई वैक्सीन का परीक्षण जानवरों पर शुरू कर दिया है। यदि यह सफल होती है तो इसे तीसरे बूस्टर डोज के रूप में लगाया जाएगा। अमेरिका इनका उपयोग केवल अमेरिकियों की प्राण-रक्षा के लिए राष्ट्रवाद के तहत कर रहा है। अपने 60 प्रतिशत नागरिकों को टीका लगाने के बाद अमेरिका इन वैक्सीन का निर्यात शुरू करेगा।हालांकि भारत अभी तक वैक्सीन के क्षेत्र में सबसे बड़ा निर्माता व निर्यातक देश है। लेकिन इस समय टीका निर्माता सभी देशों की कंपनियां अधिकतम बाजार हथियाने की होड़ में लग गई हैं। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बीच तो कोविड वैक्सीन को लेकर तीखी झड़प भी हो चुकी है। लिहाजा अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि यूरोपीय संघ के सदस्य देश ब्रिटेन को वैक्सीन देंगे भी अथवा नहीं। घरेलू जरूरतों के सामने सभी अंतरराष्ट्रीय संधियों की शर्तें बौनी साबित हो रही हैं।

दरअसल कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण का बाजार करीब 2,704 अरब रुपये तक पहुंच गया है। दूसरी और तीसरी लहर में कोरोना का कठोर रूप जो कहर ढा रहा है, उससे टीका व कोरोना से जुड़ी दवा निर्माता कंपनियों का अनुमान है कि यह बाजार दो से तीन साल के भीतर 4,165 अरब रुपये का हो जाएगा। भारत की कोविशील्ड और कोवैक्सीन की नजर भी इस बाजार पर है। कोवैक्सीन अब तक की सबसे सस्ती वैक्सीन है। उसकी नजर गरीब व मध्यम आय वाले देशों पर है, जो वैक्सीन हासिल करने के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए हैं। कोविशील्ड भी इन्हीं देशों में बाजार तलाश रही है। इसलिए कोविशील्ड भारत सरकार द्वारा की जा रही खरीदी से बाहर निकलकर खुले बाजार में वैक्सीन का निर्यात करके अपनी धाक जमाना चाहती है। भारत बायोटेक जो कोवैक्सीन बना रही है उसकी वैक्सीन सप्लाई चेन करीब 80 देशों में फैली हुई है। दूसरी तरफ ब्राजील में कोवैक्सीन का क्लीनिकल परीक्षण पूरा हो चुका है और अब उसने इसे खरीदने की इच्छा भारत बायोटेक को जता दी है।साफ है, कोवैक्सीन की मांग पूरी दुनिया में बढ़ रही है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

# कोरोना को हराने के बाद मोर्चे पर सीएम योगी आदित्यनाथ, लखनऊ में बने डीआरडीओ अस्पताल का किया निरीक्षण

**लखनऊ** । कोरोना वायरस संक्रमण पर बड़ी जीत दर्ज करने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर मोर्चे पर डट गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर टीम-11 के साथ समीक्षा बैठक के बाद अब मैदान में उतर गए हैं। इसी क्रम में वह शुक्रवार को दोपहर में अवध शिल्प ग्राम में बने 400 बेड के कोविड अस्पताल के आइसीयू का निरीक्षण कया।

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम प्रांगण में बने डीआरडीओ अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ को आर्मी के अफसरों और डीएम अभषिक प्रकाश ने डीआरडीओ के अस्पताल की पूरी जानकारी दी। सीएम ने अस्पताल के साथ आइसीयू और प्रशासनिक भवन का भी नरीक्षण कयिा। डीआरडीओ के सूत्रों के अनुसार अस्पताल पूरी तरह से मरीजों के उपचार के लिए तैयार है। सभी तरह के ट्रायल पूरे कर लिए गए हैं। अब बस प्रशासन की तरफ से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने का इंतजार है। ऑक्सीजन उपलब्ध होते ही अस्पताल अपनी पूरी क्षमता से काम करने लगेगा।

लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम प्रांगण में डीआरडीओ 400 बेड का कोविड अस्पताल का निर्माण करा रही है। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह की पहल पर डीआरडीओ लखनऊ में 400 तथा 500 बेड के कोविड अस्पताल का निर्माण करा रहा है। इसको लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बेहद गंभीर हैं। वह समीक्षा बैठक के दौरान रोज ही टीम-11 से इस कोविडअस्पताल के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने शासन के हर अधिकारी को इस कोविड अस्पताल के निर्माण के लिए पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था। अवध शिल्प ग्राम में डीआरडीओ के इस अस्पताल में आइसीयू का ट्रायल शुरू हो गया है। इसके संचालन का जिम्मा मध्य कमान के शीर्ष सैन्य अधिकारी संभाल रहे हैं। डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक शाम तक अस्पताल का ट्रायल पूरा हो जाएगा। बस ऑक्सीजन की आपूर्ति का इंतजार है।

माना जा रहा है कि सीएम योगी आदित्यनाथ आज उनके साथ भी वार्ता कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना संक्रमण की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद अब एक बार फिर से प्रदेश में कोरोना पर काबू पाने के लिए पहले की तरह मौके पर जाकर निरीक्षण करके स्थिति को संभालने के प्रयाग में लगेंगे।

रिश्तेदार और परिवार के सदस्य रांची के स्वार घाट श्मशान घाट पर कोविड -19 पीड़ितों के सामूहिक दाह संस्कार के दौरान अंतिम संस्कार करते हुए।

## संक्षिप्त खबर

### पप्पू यादव ने किया एसकेएमसीएच का दौरा, कहा- इस अस्पताल को श्मशान होने से बचा लिजीए सीएम साहब

**मुजपुफरपुर** । जनाधिकारी पार्टी के संस्थापक पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री साहेब आप अ्रस्पतालज को श्मशान बनने से बचा लिजीए। एसकेएमसीएच में लाश बेड पर रहता है उसको देखने वाला कोई नहीं। पिछले एक सप्ताह से रोज चार-पांच से ज्यादा शव यहां से निलक रहा है। न दवाई, न सफाई न इलाज हद तो यह है कि पीने के लिए पानी व जीने के लिए ऑक्सीजन तक नहीं मिल रहा। बाथयरूम की हालत ऐसी की वहां पर जानवर भी नहीं जा सके। भयावह हालत है। यादव ने कहा कि वह 15 दिन से लगातार अस्पताल का दौरा कर रहे लेकिन कहीं कुछ नहीं सब आंकडा का खेल चल रहा है। जनता भगवान के भरोसे है। आज पूर्व सांसद ने एसकेएमसीएच का दौरा किया। कोरोना वार्ड के अंदर गए। वहां मरीजों व उनके स्वजन से बात की। वहां की व्यवस्था की पड़ताल की। पूर्व सांदस यादन ने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी जन्म भूमि है यह मुजफ्फरपुर। इस मिटटी में खेले-पढे और जॉब तक पहुंचे। यहां के मिटटी का कर्ज तो चुका दिजीए। यादव ने कहा कि जब अपने गृह शहर के अस्पताल को एक मॉडल अस्पताल नहीं बना सकते तो बिहार की स्व्रास्थ्य सेवा का क्या हाल होगा यह तो भगवान ही मालिक है। यादव ने आरोप लगाया कि कोरोना मरीज को तो वरीय चिकित्सक देखने तक नहीं जाते है। जूनियर के भरोसे छोड़ दिया गया है। बच गए तो भगवान ही मालिक।

पूर्व सांसद ने परिसर में अधीक्षक को बुलाकर वहा की कुव्यवस्था से रू-ब-रू कराया। अधीक्षक बोले कि उनको रोज 500 से 700 सिलेंडर चाहिए मिल रहा 200 से 300। किसी तरह से मरीज की सेवा कर रहे है। इलाज कराने आए स्वजनों ने कहा कि बाथ रूम की सफाई तक नहीं हो रही नहीं पीने का पानी व दवा ही मिल रहा है। इस मौके पर जाप के प्रदेश महासचिव मुक्तेश्वर सिंहं मुकेश व गांधीवादी रानू शंकर, जाप के जिलाध्यक्ष प्रमोद राय आद शामिल रहे।

### पटना के सात थानेदार सहित 74 पुलिसकर्मी कोरोना पॉजिटिव, अब अपराधियों ने लिए बनी ये व्यवस्था

**पटना** । कोरोना वायरस की जद में खाकी भी आ चुकी है। पटना में अब तक सात थानेदारों के साथ 74 जवान कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। खुद को होम क्वारंटाइन कर लिए हैं। वहीं, थानेदारों ने परिवार से दूरी बना ली है। थाना के आसपास ही किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। थानों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई। बेवजह आने जाने वालों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। गंभीर मामलों में ही पुलिस मौके पर पहुंच रही है। अन्य छोटे मामलों का निस्तारण फोन पर किया जा रहा है। पुलिस सूत्रों की मानें तो जिन मामलों में सात साल से सजा कम है, ऐसे लोगों को हिदायत देने के साथ ही उन पर नजर रखी जा रही है। थाने पर नहीं लाया जा रहा है। एसएसपी उपेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि कुछ जवान और थानेदार संक्रमित हुए हैं, जो होम क्वारंटाइन हैं। कुछ थानेदार और जवान स्वस्थ्य होकर लौट आए हैं। सभी थानेदार और जवानों को वैक्सीन लगवाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही थानों में ड्यूटी के समय मास्क और शारीरिक दूरी का पूरा ख्याल रखने को कहा गया है। खुद की सुरक्षा के साथ ड्यूटी करना है। वहीं, थानों में भी पुलिस सतर्क है। अधिकांश थानों में आवेदन जमा करने के लिए परिसर में बॉक्स रखा गया है। गश्ती गाड़ी में भी जवानों की संख्या कम कर दी गई है। थानेदार के साथ गाड़ी में घूमने वालों जवानों की संख्या भी कम कर दी गई है। चौक चौराहों पर तैनात जवानों को शारीरिक दूरी का ध्यान रखने को कहा गया है। गौरतलब हो कि इसबीच बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं जब पुलिस कर्मियों ने अपराधियों को तो पकड़ लिया पर बाद में वह कोरोना पॉजिटिव निकल गए। ऐसे में जवान भी अब सतर्क हो गए हैं।

### मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा ने दी नवजोत सिंह सिद्धू को नसीहत, कहा जिम्मेदार नेता की तरह करें व्यवहार

**चंडीगढ़** । अपनी बयानबाजी से सरकार को परेशानी में डालने के कारण नवजोत सिंह सिद्धू अपनी ही पार्टी में अलग-थलग पड़ते नजर आ रहे हैं। पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू का बार -बार पार्टी लीडरशिप के खिलाफ बोलना उनका पार्टी के प्रति गैर जिम्मेदार रवैया और अनुशासनहीनता को दर्शाता है। मंत्री ने सिद्धू को याद दिलाया कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने पंजाब का चुनाव लड़कर शानदार जीत हासिल की थी और पार्टी हाईकमान ने ही उनको पंजाब के मुख्यमंत्री के तौर पर चुना है। सुंदर शाम अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री के योग्य और दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब में कांग्रेस पहले से और अधिक मजबूत हुई है। नवजोत सिंह सिद्धू का बार-बार मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर सवाल उठाना सीधे तौर पर पार्टी लीडरशिप पर उंगली उठाने के समान है। मंत्री ने कहा कि सिद्धू को यदि कोई समस्या है तो वह एक जिम्मेदार नेता के तौर पर पार्टी के सामने अपनी बात रखें, लेकिन उनका बार-बार सोशल मीडिया और सार्वजनिक तौर पर मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलना पार्टी को कमजोर करता है।

उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू को अनुशासन में रहते हुए पार्टी नीतियों का सम्मान करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि पिछले समय में नवजोत सिंह सिद्धू की कारगुजारी से शहरी वोटरों में नाराजगी के चलते मुख्यमंत्री ने जनहित में इनका विभाग बदल दिया था और अब भी इन्होंने पार्टी के हुक्मों की परवाह न करते हुए दूसरा विभाग ज्वाइन नहीं किया, बल्कि समय-समय पर पार्टी नेताओं और मुख्यमंत्री के खिलाफ बोलने से बाज नहीं आए।

उद्योग मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने नवजोत सिंह सिद्धू को पूरा मान-सम्मान दिया। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपनी कैबिनेट में उनको उच्च पद दिया, इसके बावजूद वह पार्टी और जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा देश हित के लिए काम किया है और जनता की भावनाओं को पहल दी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पार्टी की नीतियों और अनुशासन का भी बहुत महत्व है, जिससे कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

## प्रतापगढ़ में सीडीओ के आश्वासन पर माने चिकित्सक, इमरजेंसी सेवा ठप कर हड़ताल पर चले गए थे डॉक्टर और कर्मचारी

**प्रयागराज** । जिला अस्पताल में चिकित्सक और कर्मचारियों के साथ आए दिन हो रही मारपीट से नाराज शिक्षकों और कर्मियों ने शुक्रवार को सुबह से हड़ताल कर दी थी द्य इमरजेंसी कक्ष में ताला लगाकर गेट के बाहर धरने पर बैठ गए थे द्य कोरोना काल में डॉक्टरों की हड़ताल से प्रशासन में खलबली मच गई द्य आनन-फानन में डॉक्टरों को मनाने का प्रयास शुरू कर दिया गया द्य जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी पांडे एसडीएम सदर मोहनलाल गुप्ता डॉक्टरों के बीच पहुंचे ।

**अराजक तत्वों पर सख्त कार्रवाई का दिया भरोसा**-इस पर डॉक्टरों ने कहा कि हम लोग कोरोना काल में मरीजों की सेवा कर रहे हैं । हमारे ऊपर हमला हो रहा है ऐसे में काम नहीं कर सकतेद्य इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने भरोसा दिलाया कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगीद्य इमरजेंसी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगीद्य करीब आधे घंटे की वार्ता और गहमागहमी के बाद जनहित में चिकित्सक कार्य करने को राजी हो गएद्य सुबह 6ः00 बजे से बंद इमरजेंसी सेवा दिन में करीब 11ः00 बजे इमरजेंसी सेवा बहाल हो गईद्य इस तरह डॉक्टरों की हड़ताल के चलते करीब 5 घंटे तक मरीज बेहाल रहे दूर-दूर से आए मरीज इमरजेंसी खुलने का इंतजार करते रहे।

**ऑक्सीजन सिलेंडर लेने के विवाद में की मारपीट**-जिला अस्पताल में चिकित्सकों और कर्मचारियों से मारपीट की घटनाएं थम नहीं रही हैंद्य शुक्रवार की सुबह ऑक्सीजन सिलेंडर लेने को लेकर हुए विवाद में चार युवकों ने डॉक्टर और वार्ड बॉय से मारपीट कीद्य इससे वार्ड बॉय घायल हो गया मौके पर पहुंची पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया द्य इसके बाद चिकित्सा कर्मचारी नाराज हो गए और इमरजेंसी सेवा ठप कर दी। इससे पहले भी कई जिला अस्पताल में डॉक्टर और कर्मचारियों से मारपीट और दबंगई घटना हो चुकी है। चिकित्सा कर्मियों की कहना है कि वह भय के माहौल में काम नहीं करेंगे। जब अस्पताल में सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था प्रशासन नहीं करता है तब वह काम नहीं करेंगे।

## कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर मायावती का हमला, बोली-पंचायत चुनाव के कारण हालात बेकाबू

**लखनऊ** । उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलने के साथ ही सलाह भी दी है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पंचायत चुनाव को कोरोना वायरस संक्रमण के तेज गति से बढने् का सबसे बड़ा कारण बताया है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को तीन ट्वीट किया है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के चलते यदि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पंचायत चुनाव टाल देती, अर्थात थोड़ा आगे बढ़ा देती तो यह उचित होता। इससे तो चुनाव डयूटी में लगे काफी कर्मचारियों की मृत्यु नहीं होती, जो अति-दुखद है। मायावती ने कहा कि यह बसपा की मांग है कि उत्तर प्रदेश सरकार ऐसे सभी मृतक कर्मचारियों के आश्रित परिवार को उचितआर्थिक मदद करने के साथ ही उनके एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी जरूर दे।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि पंचायत चुनाव के साथ ही अब कोरोना वायरस के प्रकोप के गांव -देहातों में भी काफी फैलने की संभावना है। ऐसी स्थिति में बसपा की सलाह है कि उत्तर प्रदेश सरकार शहरों के साथ-साथ गांवों में भी कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाए।

## यूपी में अब शादी का पंजीकरण कराना होगा अनिवार्य, गलत जानकारी दी तो होगी दो साल तक की सजा

**लखनऊ** । अन्य राज्यों की तरह अब उत्तर प्रदेश में भी विवाह का पंजीकरण अनिवार्य होगा। राज्य विधि आयोग ने इसका मसौदा तैयार किया है। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एएन मित्तल ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है, जिस पर विचार के बाद सरकार अधिनियम लागू करेगी। आयोग ने विवाह पंजीकरण का प्रोफॉर्मा भी तैयार किया है, जिसके तहत गलत अथवा झूठी सूचनाएं देने वालों के लिए दो साल तक की सजा व 10 हजार रुपये तक जुर्माने की अहम सिफारिश भी शामिल है। साथ ही ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली लागू किए जाने व विवाह पंजीकरण से जुड़ी सभी सूचनाएं वेब पोर्टल पर उपलब्ध कराए जाने की सिफारिश की गई है।

राज्य विधि आयोग के मसौदे में शादी के बाद विदेश जाने के इच्छुक लोगों के लिए तत्काल पंजीकरण की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही गई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही सभी राज्यों में कानून बनाकर विवाह के पंजीकरण को अनिवार्य रूप से लागू कराए जाने का निर्देश दे चुका है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में इसे लेकर मामला चल रहा है।

**कई राज्यों में विवाह के पंजीकरण के लिए कानून** : वर्तमान में राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, पंजाब, मेघायलय, तमिलनाडु, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व उत्तराखंड में विवाह के अनिवार्य पंजीकरण को लेकर कानून बन चुका है। आयोग ने इन राज्यों के कानून का अध्ययन करने के अलावा अंतराष्ट्रीय स्तर पर लागू कानूनों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का गहन अध्ययन करने के बाद प्रस्तावित विधेयक का प्रारूप राज्य सरकार को सौंपा है।

**बाल विवाह पर भी लगेगा अंकुश** : राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एएन मित्तल की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में अनेक ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां दांपत्य संबंधी विवाद होने पर पुरुष महिला को अपनी पत्नी मानने से ही इनकार कर देता है। इससे महिला भरण पोषण, संपत्ति में हिस्से से वंचित हो जाती है और उसे घरेलू हिंसा का शिकार भी होना पड़ता है। विवाह पंजीकरण के अनिवार्य होने से ऐसा नहीं होगा और बाल विवाह पर भी अंकुश लगेगा।

**एक माह के भीतर पंजीकरण होगा कराना** : राज्य विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में प्रदेश में मैरिज आफिसर की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही है। सूबे में इसे लेकर कानून लागू होने के बाद सभी धर्म के लोगों को एक माह के भीतर विवाह का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने वालों पर 10 हजार रुपये तक जुर्माने का भी प्रावधान होगा।

**पंजीकरण न होने से विवाह अमान्य नहीं होगा** : राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एएन मित्तल ने बताया कि कानून लागू होने के बाद हर किसी को विवाह का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। लेकिन, पंजीकरण न होने के आधार पर कोई विवाह अवैध अथवा अमान्य नहीं होगा। सूबे में यह कानून लागू होने की तिथि से पूर्व संपन्न हुए विवाह का पंजीकरण संबंधित व्यक्तियों पर निर्भर करेगा। उनके लिए कोई बाध्यता न होने की सिफारिश भी की गई है।

**अभी लागू है नियमावली** : राज्य सरकार ने वर्ष 2017 में विवाह पंजीकरण को लेकर एक नियमावली लागू की थी। महिला बाल विकास विभाग को नियमावली के तहत पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए थे। नियमावली के तहत विवाह पंजीकरण के लिए 50 रुपये शुल्क व लेट फीस का प्रावधान किया गया था। आयोग ने अपने अध्ययन में यह भी पाया कि शुल्क लागू करने से लेकर नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए अलग कानून जरूरी है।

**एनआरआइ के लिए भी होगी सख्ती** : आयोग ने किसी अप्रवासी भारतीय (एनआरआइ) के लिए प्रदेश में आकर शादी करने से पूर्व अपना पूरा ब्योरा देने की व्यवस्था किए जाने की बात कही है। खासकर एनआरआइ को यह बताना होगा कि वह पहले से शादीशुदा है अथवा नहीं। पासपोर्ट नंबर व अन्य ब्योरा भी देना होगा।

## कोरोना के डर से चुनाव ड्यूटी पर जाने से कतरा रहे कर्मचारी, प्रयागराज में आठ एआरओ के खिलाफ मुकदमा

**प्रयागराज** । कोरोना महामारी का असर हर तरफ दिखने लगा है। पिछले दिनों चुनाव ड्यूटी से लौटने के बाद कई शिक्षकों समेत अन्य सरकारी कर्मचारियों की मौत और बड़ी संख्या में कर्मचारियों के संक्रमित होने का ही असर कहा जाएगा कि मुकदमे की चेतावनी के बाद भी वे चुनाव ड्यूटी से कतरा रहे हैं। अब मतगणना ड्यूटी पर भी जाने में तमाम कर्मचारी हिचकिचा रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। शुक्रवार को मतगणना डयूटी से नदारद आठ एआरओ के खिलाफ घूरपुर थाने में एफआइआर दर्ज करा दी गई।

काम प्रभावित होने पर लिखाया गया केस

जसरा विकासखंड के निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह सचान ने बताया कि सहायक निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार, महेंद्र सिंह, मृत्युंजय चौबे, बृजेश कुमार, आशीष कुमार, कमलेश पांडेय, सुरेंद्र कुमार और गिरवर सिंह लगातार अनुपस्थित हैं। यह सभी लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी हैं।

मतगणना से पूर्व इनको ब्लॉक कार्यालय में उपस्थित होकर प्रत्याशियों के एजेंटों का पास बनाना था। इनके नहीं आने से पास बनाने का काम प्रभावित हो रहा है। चेतावनी देने के बावजूद भी वह नहीं आए। इसलिए अब इन सभी के खिलाफ घूरपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। कहा जा रहा है कि पुलिस इस मामले में जांच कर कार्रवाई करेगी। उधर, चुनाव डयूटी पर जाने से कतरा रहे कई कर्मचारियो का कहना है कि उनके घरवाले भी कोरोना के भय की वजह से जाने से रोक रहे हैं। उधर, प्रशासनिक अफसरों का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया अब समापन की तरफ है। मतगणना ही बची है जिसे सुरक्षित ढंग से पूरा करा लिया जाना है। कर्मचारी मास्क लगाने समेत बचाव के अन्य उपाय जरूर अपनाएं।

प्रयागराज में, कोरोनोवायरस मामलों में एक देशव्यापी स्पाइक के बीच, भारत पंप और कंप्रेसर लिमिटेड में एक श्रमिक ऑक्सीजन सिलिंडर लेते हुए।

## बिहार के बाहुबली पूर्व विधायक के आपत्तिजनक बोल- कानून तोड़ने के लिए ही पैदा हुआ है मुन्ना शुक्ला ...वीडियो वायरल

**पटना** । हाल ही में वैशाली के लालगंज के पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला के भतीजे का उपनयन संस्कार था, जिसमें कोरोनावायरस संक्रमण की गाइडलाइन को ताक पर रखकर रात भर पार्टी चली थी। इसमें भाजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह को भी बुलाया गया था। कार्यक्रम के दौरान हुए नाच-गाना का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कम्प मच गया था। प्रशासन ने भी मामले की जांच का आदेश दिया था। उसी कार्यक्रम का एक और वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें पूर्व विधायक कह रहे, मुन्ना शुक्ला कानून तोड़ने के लिए ही पैदा हुआ है।

वायरल वीडियो में पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला सवाल करते हैं कि यहां गोली नहीं छूटेगा तो क्या अगरबत्ती जलेगा वे आगे कहते हैं कि मुन्ना शुक्ला पैदा ही हुआ है कानून तोड़ने के लिए। इस दौरान उनके वर्दीधारी बॉडीगार्ड ने तो कारबाइन से फायरिंग भी कर दी। वीडियो में अधिकांश लोग बिना मास्क के ही दिख रहे हैं। हम वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करते। हम केवल यह बता रहे हैं कि ऐसा एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। विदित हो कि एक और वायरल वीडियो में मुन्ना शुक्ला अपने भतीजे के उपनयन संस्कार में डांस करते दिखे थे। उनकी पत्नी ने भी खूब डांस किया था। लोग कोरोनावायरस संक्रमण को भूलकर हिंदी से लेकर भोजपुरी तक के गानों का आनंद उठाते दिखे। इस अवसर पर भारी भीड़ भी जुटी थी। कोरोनावायरस संक्रमण के काल में तमाम सार्वजनिक आयोजन बंद हैं, लेकिन मुन्ना शुक्ला के मामले में जिला प्रशासन ने कोई कदम उठाना मुनासिब नहीं समझा। बाद में जब इसका वीडियो वायरल हो गया, तब पुलिस-प्रशासन के लोग हरकत में आए।

**गोली चलाने से रोका तो अक्षरा सिंह को दिया था जवाब**- इसी पार्टी के दौरान जब भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने पार्टी में गोली चलाने से रोका तो मुन्ना शुक्ला ने उन्हें जवाब दिया। वायरल वीडियो में बॉडीगार्ड अपनी कारबाइन से फायरिंग करता दिखता है। कोरोना काल में गाइडलाइन की अवहेलना करने वालों में मुन्ना शुक्ला अकेले नहीं हैं। हाल ही में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के विधायक मंचन केशरी के बेटे प्रेम केशरी की शादी में भी कोरोना गाइडलाइन ताक पर रख दी गई थी। नाइट कर्फ्यू के दौरान देर रात तक शादी की पार्टी चलती रही। इस दौरान अधिकांश लोग बिना मास्क के दिखे। शारीरिक दूरी का भी पालन होता नहीं दिखा। इस शादी में सजावट च कैटरिंग आदि कई सेवाओं के लिए दूसरे प्रदेश से लोग आए थे, जिनकी कोरोना जांच हुई या नहीं, यह सवाल भी खड़ा है।

## पंजाब में कोरोना संक्रमण के 6812 नए मामले, 5059 ने दी मात, 138 की मौत

**जालंधर/चंडीगढ़** । पंजाब में कोरोना संक्रमण के नए मामलों और मौतों का ग्राफ बढ़ने का क्रम गत दिवस भी जारी रहा। 24 घंटे में 138 लोगों की मौत हुई और संक्रमण के 6812 नए मामले सामने आए हैं।

राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 54954 हो गई है। इनमें से 648 गंभीर मरीजों को आक्सीजन और 97 अति गंभीर मरीजों को वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। 5059 लोगों ने कोरोना को मात भी दी।

सेहत विभाग के अनुसार लुधियाना में सबसे ज्यादा 1350, एसएएस नगर (मोहाली) में 888, पटियाला में 595, बठिंडा में 515, जालंधर में 502, अमृतसर में 478, मुक्तसर में 355, होशियारपुर में 284, फाजिल्का में 265, मानसा में 216 और गुरदासपुर में 201 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आई।

वहीं बठिंडा में 21, लुधियाना में 18, अमृतसर में 14, संगरूर में 12, पटियाला में 11, मोहाली में आठ, जालंधर में सात, गुरदासपुर व होशियारपुर में छह-छह, पठानकोट में पांच, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब, मानसा, मुक्तसर, एसबीएस नगर (नवांशहर) व तरनतारन में चार-चार, फिरोजपुर में तीन, रूपनगर में दो और बरनाला, फाजिल्का व मोगा में एक-एक कोरोना मरीज ने दम तोड़ दिया।

जम्मू में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए कर्फ्यू के बीच एक सुनसान डोगरा चौक।

कोविड-19 के एक मरीज को अहमदाबाद में धनवंतरि अस्पताल के बाहर एक ऑटो रिक्शा के अंदर प्राथमिक उपचार।

नवी मुंबई के वाशी इलाके में कोविड-19 टीकों की कमी के बीच, NMMC प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाभार्थियों को टोकन वितरित करता पुलिसकर्मी।

## एक नजर

### पूरे हिमाचल को सांसें दे सकता है गगरेट का यह गैस प्लांट, कांगड़ा जिला के लिए हो रही सप्लाई

**गगरेट ।** देश में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा हुआ है जबकि हिमाचल में फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। ऑक्सीजन की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सरकार व प्रशासन ने बेशक अपनी तरफ से पूरी तैयारी की हुई है लेकिन इस आपदा के समय में किसी को पता नहीं कि ऑक्सीजन की कितनी जरूरत कब पड़ जाए। ऐसे में गगरेट स्थित जेके प्लांट ने दावा किया है कि पूरे प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी नहीं आने देंगे। इनके प्लांट में प्रतिदिन 400 सिलेंडर रिफिल करने की क्षमता है और इस समय औद्योगिक इकाइयों को ऑक्सीजन देनी पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल इस उद्योग ने जिला कांगड़ा को 80 और जिला ऊना प्रशासन को 50 सिलेंडर प्रयोग करने के लिए दिए हैं। एक सिलेंडर की क्षमता सात घनमीटर है और इस समय इनके पास 717 सिलेंडर का स्टॉक है। जेके गैस न सिर्फ अपने सिलेंडर की रिफिलिंग कर रहा है बल्कि बहुत से ऐसे लोगों के सिलेंडर भी रिफिल कर रहा है जो ऑक्सीजन की सप्लाई अस्पताल में करते हैं। इस समय अनुमान के मुताबिक 300 के करीब सिलेंडर रोजाना भरे जा रहे हैं। हालांकि ऑक्सीजन की कमी नहीं है, लेकिन दिक्कत यह है कि खाली सिलेंडर नहीं मिल रहे।

**खाली सिलेंडर की कमी-** इस समय उद्योग के पास खाली सिलेंडर कम हैं और सरकारी अस्पताल में भी खाली सिलेंडर बेहद कम हैं। कभी अस्पताल को सिलेंडर की इतनी जरूरत ही नहीं आई। इस समय गगरेट क्षेत्र में दो एलपीजी सिलेंडर बनाने वाले उद्योग बंद पड़े हैं, एक दियोली में और दूसरा अम्ब में। यदि प्रशासन उन उद्योगों में थोड़ा-सा फेरबदल करे और वहां पर ऑक्सीजन के सिलेंडर बनाने शुरू कर दे तो पूरे हिमाचल में ऑक्सीजन का संकट दूर हो जाएगा। जेके गैस प्लांट के संचालक सुरेश शर्मा का कहना है हम 165 रुपये प्रति सिलेंडर प्रदेश में दे रहे हैं और 400 सिलेंडर प्रतिदिन रिफिल करने की क्षमता हमारे प्लांट की है। इस समय जिला ऊना और कांगड़ा को ऑक्सीजन दी है। यदि आवश्यकता पड़ी तो हम पूरे प्रदेश में आपूर्ति कर सकते हैं।

### गांव में कोरोना संक्रमण के 31 मामले आने के बाद प्रशासन सतर्क

**धर्मशाला ।** हिमाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा तेजी से बढ़ता जा रहा है। एक्टिव केस 18 हजार के करीब पहुंच गए हैं। 24 घंटे में रिकॉर्ड 3040 मामले सामने आए, जबकि 44 मरीजों की मौत हो गई जिसमें एक नवजात भी शामिल है। हिमाचल प्रदेश में 24 घंटे में कोरोना संक्रमित 44 मरीजों की मौत हो गई है, शुक्रवार को नेरचौक मेडिकल कॉलेज में मंडी और हमीरपुर के तीन मरीजों की मौत हो गई। बल्ह के रत्ती निवासी 55 वर्षीय व्यक्ति, मंडी बलद्वाड़ा के एक व्यक्ति व हमीरपुर के 57 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के एक्टिव केस 17835 तक पहुंच गए हैं। प्रदेश में 97 हजार के करीब लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं, 77 हजार मरीज स्वस्थ हो चुके हैं व 1447 मरीजों की मौत हुई है। जिला कांगड़ा में 4410 एक्टिव केस हो गए है, जबकि सोलन मे 2934, शिमला 1896, सिरमौर 1707, हमीरपुर 1389, ऊना 1130, बिलासपुर में 1029 मरीज हैं।

गगल। रच्छ्यालु के वार्ड नंबर दो में दो दिन में 31 लोगों के कोरोना संक्रमित होने के बाद कंटेनमेंट जोन बना दिया है। शाहपुर के नायब तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने यहां सख्ती बढ़ा दी है। वहां पर एहतियात के तौर पर दो पुलिस के जवान तैनात कर दिए हैं। रच्छ्यालु पंचायत की प्रधान संजू कुमारी व उपप्रधान मुख्तियार खान ने बताया वार्ड दो को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है और गांववासियों को कोरोना के नियमों का पालन करने की हिदायत दी है। सभी लोग अपने घर में रहें और कोविड-19 नियमों का पूरी तरह से पालना करें।

### मशहूर न्यूज एंकर रोहित सरदाना का हार्ट अटैक से निधन, कोरोना वायरस से भी थे संक्रमित

**नई दिल्ली ।** मशहूर न्यूज एंकर रोहित सरदाना की कोरोना से मौत हो गई है। लंबे समय तक जी न्यूज में एंकर रहे रोहित सरदाना इन दिनों आज तक न्यूज चैनल में एंकर के तौर पर काम कर रहे थे। सुधीर चौधरी ने ट्वीट किया, अब से थोड़ी पहले जितेंद्र शर्मा का फोन आया। उसने जो कहा सुनकर मेरे हाथ काँपने लगे। हमारे मित्र और सहयोगी रोहित सरदाना की मृत्यु की ख़बर थी। ये वायरस हमारे इतने क़रीब से किसी को उठा ले जाएगा ये कल्पना नहीं की थी। इसके लिए मैं तैयार नहीं था। यह भगवान की नाइंसाफ़ी है...। ? शान्ति।

लंबे समय से टीवी मीडिया का चेहरा रहे रोहित सरदाना इन दिनों आज तक न्यूज चैनल प्रसारित होने वाले शो दंगल की एंकरिंग करते थे। 2018 में ही रोहित सरदाना को गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से नवाजा गया था। वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने भी रोहित सरदाना की मौत की जानकारी दी है। उन्होंने ट्विटर पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा, दोस्तों बेहद दुखद खबर है। मशहूर टीवी न्यूज एंकर रोहित सरदाना का निधन हो गया है। उन्हें आज सुबह ही हार्ट अटैक आया है। उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना। भले ही कोरोना और दिल का दौरा पड़ने से वह दुनिया छोड़कर चले गए, लेकिन एक दिन पहले तक वह लोगों की मदद के लिए सक्रिय थे। कोरोना का शिकार हुए लोगों के इलाज के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन, ऑक्सीजन, बेड आदि तक की व्यवस्था के लिए वह लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव थे और लोगों से सहयोग की अपील कर रहे थे। यहां तक कि अपनी मौत से ठीक एक दिन पहले 29 अप्रैल को भी उन्होंने ट्वीट कर एक महिला के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शनों की व्यवस्था करने की अपील की थी। इससे पहले 28 अप्रैल को उन्होंने लोगों से प्लामा डोनेट करने की भी अपील की थी।

### आयुष मंत्रालय का दावा- कोरोना के हल्के लक्षणों वाले मरीजों पर कारगर है आयुष-64

**नई दिल्ली ।** आयुष मंत्रालय और सीएसआईआर के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि मलेरिया के उपचार में प्रयुक्त होने वाली दवा आयुष-64 कोरोना के हल्के मरीजों के उपचार में कारगर है। इस दवा को काफी समय पूर्व केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने विकसित किया था और दवा बाजार में उपलब्ध है। एक साल पूर्व इसके कोरोना रोगियों पर क्लिनिकल ट्रायल शुरू किए गए थे जिनके नतीजों के आधार पर इसे कोरोना मरीजों के उपचार के लिए अनुसंशित कर दिया गया है। आयुष मंत्रालय ने आयुष-64 समेत कई देशी दवा फामूर्लों को परखने के लिए सीएसआईआर के साथ मिलकर यह कार्यक्रम शुरू किया था। इसके लिए एक टास्क फोर्स गठित की गई थी। आयुष-64 समेत कई अन्य फामूर्लों का परीक्षण किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ, एम्स जोधपुर समेत कई नामी एलोपैथी एवं आयुर्वेद अस्पतालों में कोरोना मरीजों पर किए थे। आयुष-64 दवा के 140 करोनो मरीजों पर परीक्षण के बाद उसे लक्षणविहीन, हल्के एवं मध्यम संक्रमण के उपचार के लिए उपयुक्त पाया गया है।

## लेह में भी शाम से वीकली लॉकडाउन, संक्रमण के मामले बढ़ता देख प्रशासन ने लिया फैसला

**जम्मू ।** केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में के लेह जिले में कोरोना संक्रमण की रोकथाम की मुहिम के चलते प्रशासन ने जिले में आज शुक्रवार शाम से सोमवार सुबह तक वीकेंड लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी। यह कार्रवाई लेह के डिप्टी कमिश्नर श्रीकांत सूसे ने बैठक कर जिले के हालात पर चर्चा करने के बाद की।

पुलिस विभाग को सख्ती से जिले में वीकेंड लॉकडाउन को प्रभावी बनाने के लिए कहा गया है। बैठक में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ संक्रमण की रोकथाम की मुहिम चला रहे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कोरोना से निपटने की भावी रणनीति पर भी चर्चा हुई।

लद्दाख में इस समय संक्रमण के मामलों में तेजी आ रही है। ऐसे में क्षेत्र में कोरोना वायरस के कारण अब तक 139 मौतें हो चुकी हैं। ऐसे हालात में वीरवार को लेह के डिप्टी कमिश्नर के साथ लेह हिल काउंसिल के चीफ एग्जीक्यूटिव काउंसिलर ताशी ग्यालसन ने काउंसिलरों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर संक्रमण की रोकथाम के कदमों पर विचार विमर्श किया।

लद्दाख में अप्रैल माह के दूसरे पखवाड़े में संक्रमण में तेजी आई है। इस समय लद्दाख में सत्रह सौ के करीब संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा है। वहीं कोरोना संक्रमण के कारण लद्दाख में अब तक 139 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के अधिकतर मामले लेह में हैं। ऐसे में इस समय प्रशासन सख्ती से संक्रमण पर रोक लगाने की कोशिश कर रही है। जिले में कई जगहों पर माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने के साथ टेस्ट करने की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है।

## पूर्व अटॉर्नी जनरल सोली सोराबजी का कोरोना संक्रमण से निधन, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने जताया दुख

**नई दिल्ली ।** भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल सोली सोराबजी का शुक्रवार रात निधन हो गया। वो 91 वर्ष के थे। पिछले कुछ दिनों से वो कोरोना वायरस संक्रमण से पीड़ित थे। करीब 70 सालों तक कानून के क्षेत्र से जुड़े रहे सोराबजी ने देश के अटार्नी जनरल का पद दो बार संभाला। वकालत के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 2002 में उन्हें पद्म विभूषण का सम्मान भी मिला था।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोराबजी के निधन पर शोक जताते हुए कहा, वह उन लोगों में से थे जिनकी भारत के

संवैधानिक कानूनों के विस्तार में प्रमुख भूमिका रही। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शोक प्रकट कर श्रद्धांजलि दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व महान था।

बता दें कि सोराबजी का नाम देश के बड़े मानवाधिकार वकीलों में शामिल था। उन्हें संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 1997 में विशेष दूत के तौर पर नाइजीरिया भेजा गया था, ताकि वहां के मानवाधिकार के हालात के बारे में पता चले सके। वर्ष 1989 से 1990 तक अटॉर्नी जनरल रहे सोराबजी ने दोबारा 1998 से 2004 तक यह जिम्मेदारी निभाई थी। सोली सोराबजी का पूरा नाम सोली जहांगीर सोराबजी था। उनका जन्म मुंबई में वर्ष 1930 में हुआ था। उन्होंने 1953 में बॉम्बे हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू कर दिया था।

## राजस्थान में कोरोना के 17269 नए मामले और 158 मौतें

**जयपुर ।** राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 17269 पॉजिटिव केस मिलने के साथ ही 158 लोगों की मौत हुई है। एक दिन में 10,964 मरीज स्वस्थ हुए। वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या एक लाख 69 हजार 519 है। प्रदेश में अब तक कुल पांच लाख 80 हजार 846 संक्रमित मिले, वहीं कुल 4084 लोगों की मौत हुई। प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार ने राज्य सरकार के सभी अनुमानों को फेल कर दिया। सरकार ने दवाओं और ऑक्सीजन को लेकर जो अनुमान लगाए थे, उससे कहीं ज्यादा जरूरत पड़ रही है। पहली लहर के दौरान पिछले साल सितंबर से नवंबर तक कोरोना पीक पर था, तब तीनों महीनों में ऑक्सीजन की खपत 3810 मैट्रिक टन हुई थी, लेकिन दूसरी लहर में अप्रैल में अब तक 3000 मैट्रिक टन से ज्यादा खपत हो चुकी है। सरकार का अनुमान अप्रैल में 2740 मैट्रिक टन का था।

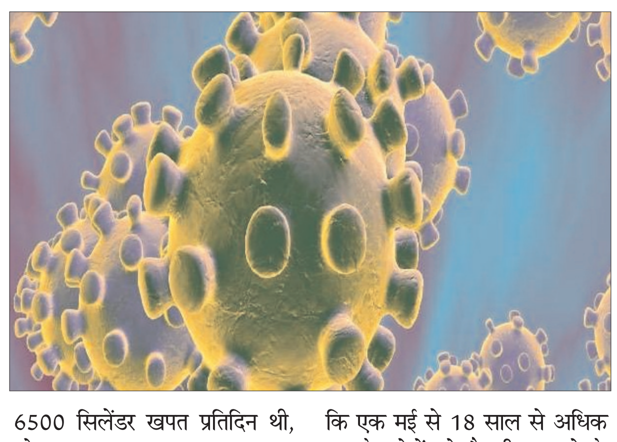

चिकित्सा सचिव सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि तीन माह पहले प्रतिदिन 6500 सिलेंडर खपत प्रतिदिन थी, जो अब बढ़कर 31 हजार 425 सिलेंडर प्रतिदिन हो गई। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में प्रतिदिन 10 हजार रेमडेसिविर इंजेक्शन की जरूरत होगी। सरकार अप्रैल में 36 हजार से ज्यादा इंजेक्शन भेज चुकी है। इसके साथ ही 1.75 लाख इंजेक्शन के कंपनियों को ऑर्डर दिए गए हैं। वैक्सीनेशन को लेकर भी सरकार की तैयारी तेजी पर है। चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि एक मई से 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का काम जारी है। इस चरण के लिए सात करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की जरूरत आंकी गई है। उधर, भाजपा विधायक दल के उप नेता राजेंद्र राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सरकार समय रहते एहतियातन कदम उठा लेती तो कोरोना का कम्यूनिटी स्प्रेड नहीं होता।

सीएम गहलोत संक्रमित

राजस्थान में तेजी से फैल रही कोरोना महामारी के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संक्रमित हो गए। गहलोत ने गुरुवार को खुद ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि कोविड टेस्ट करवाने पर मेरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। मुझे किसी तरह के लक्षण नहीं है और मैं ठीक महसूस कर रहा हूं । कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मैं आइसोलेशन में रहकर ही कार्य जारी रखूंगा। इससे पहले बुधवार को उनकी पत्नी सुनीता गहलोत की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। गहलोत दंपती वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह भी कोरोना की चपेट में आ गए। भाजपा विधायक अशोक लाहोटी और उनके परिवार के सभी 11 सदस्य संक्रमित हुए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहलोत और उनकी पत्नी के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की है। राज्यपाल कलराज मिश्र, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी गहलोत के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की है।

## बागवानी को बढ़ावा देने को प्रशासनिक परिषद का अहम फैसला, हाई डेंसिटी नर्सरियां स्थापित करने को मंजूरी

**जम्मू ।** जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रदेश में फल उत्पादन बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र में उद्यमियों के लिए हाई डेंसिटी नर्सरियां स्थापित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह फैसला उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक परिषद की बैठक में लिया गया। बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए यह योजना 5 साल तक प्रभावी रहेगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान की तर्ज पर इस योजना के के तहत हाई डेंसिटी नर्सरिया स्थापित करने वालों को पचास प्रतिशत सब्सिडी सीधे उनके खाते में दी जाएगी। नर्सरियों में प्रदेश में कम जमीन में अधिक फल पैदा करने वाले पौधे तैयार हो सकेंगे। इससे अच्छे पौधे बाहर से लाने की निर्भरता कम होगी।

किसान केंद्रित इस योजना के तहत जम्मू कश्मीर में सेब, अखरोट, बादाम, चेरी, लीची के साथ जैतून की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। इस योजना से रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के तहत प्रदेश में प्रति हेक्टेयर भूमि में ज्यादा से ज्यादा फलों की पैदावार होगी। नहीं फलों की नई किस्में कीड़ों का सामना करने में भी सक्षम होंगी। हाई डेंसिटी फलों पौधे बागवानी क्षेत्र के साथ जुड़े किसानों की पैदावार को बढ़ाएंगे व इससे किसानों की आय दुगनी होना संभव होगा।

बागावानी विभाग में उप निदेशकों के दो पद सृजित- जम्मू कश्मीर सरकार ने बागबानी विभाग का पुनर्गठन कर उप निदेशकों के दो पद सृजित करने को मंजूरी दी है। प्रशासनिक परिषद ने विभाग के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए नए पद सृजित करने को मंजूरी दी। इससे विभाग में अधिकारियों के लिए पदोन्नति के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। वहीं दूसरी ओर सरकार ने बागवानी विभाग में प्रोजेक्ट आफिसर व बोटेनिस्ट के एक पद को कम करने का भी फैसला किया।

## जज ने किया खुलासा- श्मशानों में दलाल कोविड शवों के अंतिम संस्कार के एवज में वसूल रहे पंद्रह हजार

**उदयपुर ।** कोरोना महामारी से पहले से ही लोग त्रस्त हैं। जिन परिवारों के सदस्यों की कोरोना संक्रमण से हो चुकी, उनके अंतिम संस्कार के लिए नगर निगम तथा राज्य सरकार के निश्शुल्क दावे के बावजूद उन्हें पंद्रह हजार रुपए दलालों को देने पड़ रहे हैं। इसका खुलासा उदयपुर के न्यायाधीश कुलदीप सोनी ने किया, जो गुरुवार रात उदयपुर शहर के हिरणमगरी स्थित श्मशानों की जांच के लिए पहुंचे।

न्यायाधीश सोनी कोविड मृतक के परिजन के रूप में श्मशान पहुंचे तथा वह हालात देखकर हैरान रह गए। उन्होंने पाया कि श्मशानों में दलालों ने रेट तय रखी है। कोविड मृतक का शव एम्बुलेंस से उतारकर चिता पर रखने के एवज में दलाल पंद्रह हजार रुपए मांग रहे थे। जबकि पीड़ित परिवार को लकड़ी की व्यवस्था स्वयं करनी थी। सेक्टर तेरह स्थित श्मशान में दाह संस्कार के एवज में निजी कंपनी का कर्मचारी 2100 रुपए मांग रहे थे। इस पर न्यायाधीश सोनी नगर निगम आयुक्त से बात की तथा ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए कहा। न्यायाधीश सोनी ने सेक्टर तीन स्थित श्मशान का भी औचक निरीक्षण किया। जहां दाह संस्कार के लिए कोई मौजूद नहीं था। एक घंटे बाद चौकीदार श्यामलाल नहीं आया। बाद में उन्होंने कोविड मृतक का परिजन बनकर अंतिम संस्कार कराने वाले राजेश गौरण से बात की उसने दाह संस्कार के एवज में पंद्रह हजार रुपए की मांग की। साथ ही कहा कि बॉडी कोविड की नहीं होती तो वह तीन हजार रुपए ही लेता। न्यायाधीश ने जब चौकीदार श्यामलाल के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह कोरोना से मृत व्यक्ति की बॉडी अशोकनगर स्थित श्मशान ले जाएं, यहां अब उसका अंतिम संस्कार नहीं होगा। नगर निगम के कोरोना से मृत लोगों के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी निशुल्क में दिए जाने के विपरीत यहां न्यायाधीश से गौरव ने कहा कि बॉडी के वजन के हिसाब से लकड़ी की व्यवस्था उन्हें ही करनी होगी। जिसका खर्चा उन्हें देना होगा। लकड़ी जमाने का अलग से खर्चा लिया जाएगा। सेक्टर तेरह स्थित श्मशान में न्यायाधीश ने वहां मौजूद कर्मचारी से बात की तो उसने कहा कि पहले 2100 रुपए जमा कराने को कहा। वहां मौजूद इंद्र प्रकाश ने न्यायाधीश से कहा कि तीन पीढ़ियों से उनका श्मशान पर कब्जा है। यहां किसी का शव बिना पैसे जलाना संभव नहीं।

**नगर निगम आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र-** न्यायाधीश कुलदीप सोनी ने श्मशानों में की जा रही अवैध वसूली को लेकर नगर निगम आयुक्त तथा जिला पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई के लिए कहा है। इधर, नगर निगम ने पांच सदस्यीय टीम बनाई है जो श्मशानों में चल रहे अवैध वसूली पर लगाम लगाएंगे। निगम आयुक्त हिम्मतसिंह बारहठ ने बताया कि पांच कर्मचारी श्मशानों पर निगाह रखेंगे।

## अमेरिका से मेडिकल सप्लाई की पहली खेप भारत पहुंची, महामारी से लड़ने के लिए एकजुट हुए दोनों देश

**नई दिल्ली ।** कोरोना से जूझ रहे भारत की मदद के लिए कई देशों सहित अमेरिका की मदद जारी है। अमेरिका से ऑक्सीजन सिलिंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, पीपीई, रैपिड टेस्टिंग किट समेत अन्य मेडिकल सप्लाई की पहली खेप भारत पहुंच गई है। अमेरिकी सरकार द्वारा ऐसी और फ्लाइट अगले सप्ताह में भेजे जाने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका संकट के इस समय भारत के साथ खड़ा है। क्योंकि हम एकसाथ महामारी से लड़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय की तरफ से आए बयान के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना के विमान सी -17 ग्लोबमास्टर ढ्ढढ्ढ, दूसरा अमेरिकी वायु सेना वाहक कोरोना राहत आपूर्ति से भरा हुए सामान लेकर भारत पहुंच गया है। सीबीआईसी के मुताबिक, अमेरिकी की तरफ से 200 डी साइज ऑक्सजीन सिलिंडर, 223 एच साइज ऑक्सीजन सिलिंडर 210 प्लस ऑक्सीमीटर, 184,000 एबट रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट और 84,000 एन -95 फेस मास्क भेज गए हैं।

अमेरिका के अलावा संकट की इस घड़ी में कई अन्य देश भी सामने आए हैं। बता दें कि रोमानिया की तरफ से भी 80 ऑक्सीजन कंसेनटेटर्स और 75 ऑक्सजीन सिलिंडर भारत भेजे गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने रोमानिया का शुक्रिया अदा किया है। वहीं जापान ने भी संकट की इस घड़ी में भारत का साथ देने का फैसला लिया है। भारत में जापान के राजदूत, सतोशी सुजुकी ने कहा कि जापान जरूरत के समय में भारत के साथ खड़ा है। हमने 300 ऑक्सीजन जनरेटर और 300 वेंटिलेटर प्रदान करने की प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। बता दें कि आयरलैंड भी संकट की इस घड़ी में भारत का साथ निभा रहा है। आयरलैंड से भारत को 700 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर और 365 वेंटिलेटर आज सुबह भारत पहुंचा गया। वहीं यूके से 280 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के साथ मेडिकल सामानों की तीसरी खेप भी आज सुबह भारत पहुंच गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यूके का धन्यवाद देते हुए कहा कि ये महामारी के खिलाफ लड़ाई में हमारी साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है।

## टीएमसी उम्मीदवार ने माकपा के तीन समर्थकों को वाहन से कुचल दिया - बिमान बोस

**कोलकाता ।** वाममोर्चा के अध्यक्ष बिमान बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में डोमकल से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने गुरुवार को आठवें व अंतिम चरण के मतदान के दिन अपने वाहन से माकपा के तीन समर्थकों को कुचल दिया, जिससे उनमें से एक की मौत हो गई।उन्होंने दावा किया कि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। टीएमसी ने आरोपों से इन्कार किया है। बोस ने आरोप लगाया कि टीएमसी के उम्मीदवार जफीकुल इस्लाम पांच वाहनों से मध्यरात्रि के करीब उत्तर शाहबाजपुर इलाके में गए।वरिष्ठ नेता ने बयान जारी कर कहा, ''इस्लाम ने इलाके से जाते समय वाहन से कुछ लोगों को कुचल दिया।'' उन्होंने कहा कि यह ''जानबूझकर'' किया गया कृत्य है। बोस ने कहा कि कादर मंडल की मौत हो गई, वहीं वसीम, अल मामुन और लालचंद मंडल का मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आरोपितों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने कहा, ''इस घटना की तरफ हम निर्वाचन आयोग का ध्यान भी आकृष्ट कर रहे हैं।'' गौरतलब है कि यह घटना जिले के डोमकल विधानसभा क्षेत्र की है। बंगाल में विधानसभा चुनाव के आठवें और अंतिम चरण में गुरुवार को डोमकल सहित 35 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हुए थे। इस दौरान मुर्शिदाबाद के कई अन्य जगहों पर भी हिंसा व बमबाजी की घटना हुई।

## कश्मीर के सचिवालय कर्मी घर लौटे, रवाना होने से पहले हुआ रेपिड टेस्ट

**जम्मू ।** कश्मीर के सचिवालय कर्मी श्रीनगर से कामकाज करने के लिए आज शुक्रवार को अपने घरों को लौटना शुरू हो गए हैं। श्रीनगर जा रहे इन कर्मचारियों के लिए वीरवार से जम्मू सचिवालय में कोरोना के रेपिड टेस्ट करने की मुहिम शुरू की गई थी। जो आज भी जारी रही। कोरोना जांच करने के बाद ही इन कर्मियों को घाटी के लिए रवाना किया जा रहा है।

सरकार ने आदेश जारी कर कश्मीर के सचिवालय कर्मियों को तीस अप्रैल दोपहर बाद श्रीनगर जाने की इजाजत दे दी है। ऐसे में अपने वाहनों में श्रीनगर जाने की तैयारी कर रहे सचिवालय कर्मचारी शुक्रवार दोपहर को श्रीनगर के लिए निकल जाएंगे। सरकार द्वारा तय किए गए शेडयूल के तहत सचिवालय के कर्मचारियों व जरूरी सरकारी रिकार्ड के काफिले जम्मू से 1 मई व 2 मई को रवाना होने हैं। अंतिम काफिला 9 मई को जाएगा व 10 मई से श्रीनगर में भी सचिवालय काम करने लगेगा। कोरोना संक्रमण से उपजे हालात में इस बार दरबार मूव नही हो रहा है। ऐसे में कश्मीर के सचिवालय कर्मी श्रीनगर से व जम्मू के कर्मचारी जम्मू से काम करते रहेंगे।

वीरवार दोपहर को सरकार के आयुक्त सचिव मनोज कुमार दिवेद्वी की ओर से जारी किए गए आदेश में स्पष्ट किया गया कि श्रीनगर से काम करने जा रहे कर्मचारी जम्मू में शुक्रवार को काम पूरा करने के बाद जा सकते हैं। इस आदेश के माध्यम से कर्मियों को यह संदेश भी दिया गया है कि उनका शुक्रवार को सचिवालय में आकर काम करना अनिवार्य होगा। ऐसे में सचिवालय न आने वाले कर्मियों को अनुपस्थित माना जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने कश्मीर जा रहे कर्मचारियों के कोरोना टेस्ट करने के लिए वीरवार से जम्मू सचिवालय में काउंटर लगा दिए। जिन कर्मचारियों के टेस्ट नेगेटिव आएंगे, सिर्फ उन्हें ही श्रीनगर जाने की इजाजत मिलेगी। यह काउंटर शुक्रवार को भी काम करेंगे। ऐसे में दो दिनों में श्रीनगर जा रहे सभी कर्मचारियों के अनिवार्य रूप से टेस्ट किए जाएंगे। जम्मू के चीफ मेडिकल आफिसर डा जेपी सिंह ने बताया कि इस समय जम्मू सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग की पांच टीमें श्रीनगर जा रहे कर्मचारियों के रेपिड टेस्ट कर रही हैं। ये टीमें शुक्रवार को भी टेस्ट करने की प्रक्रिया को जारी रखेंगी।

# नेहा धूपिया से ब्रेस्टफीडिंग का वीडियो मांगा तो एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करके दिया शानदार जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया अपने बेबाक बोल के कारण जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसके साथ ही कई मामलों पर अपनी राय देती हुई नजर आ जाती हैं। अपनी तस्वीरों और वीडियों के कारण अधिकतर वह ट्रोल्स के निशान में बनी रहती हैं। हाल में ही ट्रोल्स को एक्ट्रेस ने ऐसा जवाब दिया कि हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। दरअसल, नेहा धूपिया ने काफी पहले बेटी मेहर को ब्रेस्टफीड कराते हुए बेटी के साथ की तस्वीर शेयर की थी। इस पर एक शख्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल करते हुए लिखा– क्या आप अपना ब्रेस्टफीडिंग वीडियो पोस्ट कर सकती हैं? विनम्र निवेदन हैं। यह बात नेहा को भी रास नहीं आई। जिसके बाद एक्ट्रेस ने बेटी मेहर को ब्रेस्टफीडिंग कराते हुए एक तस्वीर शेयर किया। इसके साथ ही ट्रोल करने वाला स्क्रीन शॉट भी लगाया।

### नेहा धूपिया से ब्रेस्टफीडिंग का वीडियो मांगा तो एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करके दिया शानदार जवाब

- इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर करते हुए नेहा ने लिखा, मैं आमतौर पर ऐसे कमेंट्स को या तो इग्नोर कर देती हूं या फिर डिलीट कर देती हूं। मगर मुझे ये बात लाइमलाइट में लाने की जरूरत है। ऐसी मानसिकता के लोग ही ब्रेस्टफीडिंग की परिस्थिति को और इम्बैरेसिंग बना देते हैं।
- नेहा ने पोस्ट शेयर करके लिखा, नई मां की जर्नी केवल वही समझ सकती है, जहां हम सभी केवल एक खुशहाल साइड देखते हैं. वहीं, दूसरी तरफ यह एक बड़ी जिम्मेदारी और भावनात्मक रूप से थकान भरा भी है। एक मां बनना बहुत कठिन है और वह सब करती हैं जो करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि इसे लेकर सवाल उठाए जाएं। मजाक या ट्रोल किया जाए। उनको समझाना होगा। मैं भी इन हालातों से गुजरी हूं और मैं इसे समझ सकती हूं। ये सिर्फ मां पर निर्भर करता है कि वो अपने बच्चे को कहां पर दूध पिलाना चाहती हैं। मगर कई बार आज भी ऐसा देखा जाता है कि ब्रेस्टफीडिंग करती मां को लोग गलत दृष्टिकोण से देखते हैं।
- एक्ट्रेस आगे लिखती है, जबसे मैं मां बनी हूं तबसे मैंने अपनी कॉम्युनिटी में ब्रेस्टफीडिंग को और सहज बनाने की कोशिश की है। इस क्रिया को लेकर बहुत ही ज्यादा संवेजनशील होने की जरुरत है। इस तरह की असवेंदनसील और भद्दे कमेंट्स चीजों को देशभर की माओ के लिए ऑकवर्ड बना देता है।01

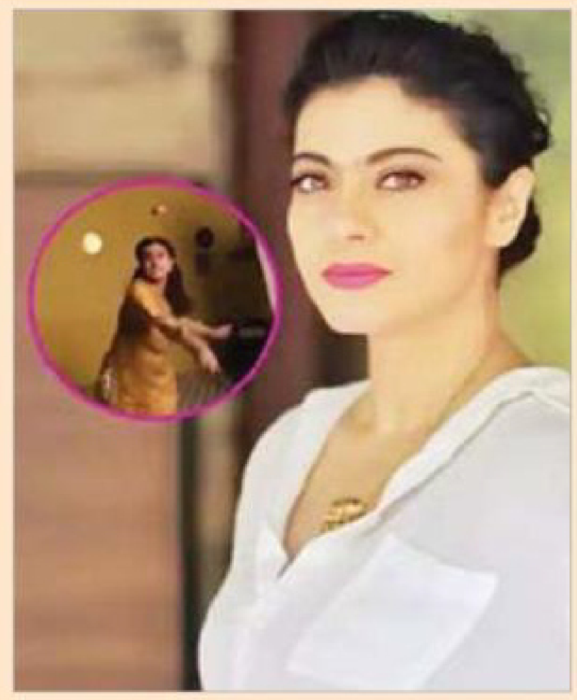

# काजोल ने सेब काटने के लिए अपनाई निंजा तकनीक, यूजर्स ने कर डाला ट्रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल यूं तो हमेशा इंस्टाग्राम पर नयी नयी चीजें पोस्ट करती रहती हैं लेकिन इस बार उनके एक इंस्टा पोस्ट ने यूजर्स को नाराज कर डाला है। जी हां, बात हो रही है काजोल के एक वीडियो की, इसमें काजोल सेब को हवा में उछाल कर चाकू से काटने का स्टंट करती दिख रही हैं। इस वीडियो को जब काजोल ने इंस्टा पर डाला तो उन्होंने कैप्शन में लिखा – मूड। इस वीडियो पर कई तरह के रिक्शन आ रहे हैं। कुछ लोगों को काजोल का स्टंट अच्छा लगा है तो कुछ लोगों ने काजोल को इस तरह के वीडियो पोस्ट नहीं करने के लिए कहा है। दरअसल कई लोगों ने इस वीडियो को भोजन का अपमान करने का तरीका करार दिया है। यूजर कह रहे हैं कि जहां लोग भूख से मर रहे हैं वहां खाने के साथ ऐसे एक्सपेरिमेंट नहीं करने चाहिए। वहीं कई यूजर कह रहे हैं कि इस तरह के भोजन का अपमान करने वाले वीडियोज को प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए। काजोल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो समय समय पर अपने डांस स्टाइल, अपने फनी मूमेंट्स की फोटो और वीडियो अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती है। वो फन लविंग हैं और समाज की केयर के लिए भी समय समय पर काम करती है। लेकिन लगता है कि उनके फैंस को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आया है इसलिए इस पर कई रिएक्शन इस तरह के हैं जिनसे लगता है कि लोगों को काजोल का ये फन मूमेंट पसंद नहीं आया है।

# माधुरी दीक्षित ने लगवाई कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज़

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने आज कोरोना वायरस की दूसरी वैक्सीन लगवा ली। एक्ट्रेस ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। माधुरी दीक्षित ने वैक्सीन लगवाते हुए अपनी तस्वीर ट्वीट की है। ब्लैक सूट के साथ माधुरी ने वाइट मास्क लगाया है। तस्वीर के साथ कैप्शन में माधुरी ने लिखा है– आज मैंने अपनी दूसरी वैक्सीन की डोज़ लगवाई। मैं सबसे कहना चाहूंगी कि जितनी जल्दी हो सके वैक्सीन लगवाएं। घर पर रहिए, सुरक्षित रहिए।

### माधुरी दीक्षित ने सिखाया मास्क पहनने का सही तरीका

हाल ही में माधुरी ने ट्विटर पर वीडियो शेयर किया था, वीडियो में पहले वो गलत तरीके से मास्क पहनकर बताती हैं कि कौन कौन सा तरीका गलत है और फिर आखिर में माधुरी सही तरीके से मास्क पहनना फैंस को सिखाती हैं। देखिए वीडियो– बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित इन दिनों टीवी शो डांस दीवाने में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री जानती हैं कि कैसे अपने फैंस का दिल जीता जाता है। मंगलवार को एक खूबसूरत वीडियो साझा करते हुए माधुरी बाजरे दा सिट्टा के ट्रेंड में शामिल हो गई। अभिनेत्री ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लोकप्रिय गीत पर परफॉर्मेंस दे रही हैं और शानदार एक्स्प्रेशन भी दे रही हैं। अपने कैजुअल लुक से, माधुरी एक गुलाबी झिलमिलाती लहंगे में एक भव्य दीवा में बदल जाती हैं।

# अक्षय कुमार के बाद कोरोना से जंग में आगे आए आयुष्मान खुराना

## मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे योगदान

बॉलीवुड की जोड़ी आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप ने कोविड– 19 से प्रभावित लोगों की मदद के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया है। आयुष्मान ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से सभी को जरूरतमंदों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम पिछले साल से तूफान की नजर में हैं। इस महामारी ने हमारे दिलों को तोड़ दिया है, हमें दर्द और पीड़ा को सहन करना सिखाया है, हमें दिखाया है कि कैसे हम एक दूसरे के साथ एकजुट होकर इस मानवीय संकट को संभाल सकते है।

आयुष्मान ने कहा, आज, फिर से, यह महामारी हमें भाग्य, लचीलापन और आपसी समर्थन दिखाने के लिए कह रही है। पूरे भारत में लोग एक–दूसरे की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। ताहिरा और मैं हर एक व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिन्होंने हमें और ज्यादा करने के लिए प्रेरित किया है। हम लगातार अपनी तरफ से लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं और अब जरूरत के समय में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया है। अभिनेता ने कहा, लोगों को जितना संभव हो सके उतनी मदद करने की जरूरत है और हम सभी अपनी तरह से मदद करने के लिए तैयार हैं क्योंकि हम फिट हैं।

उल्लेखनीय है कि कोरोना के खिलाफ जंग में अक्षय कुमार भी आगे आए हैं। कोरोना वायरस महामारी के दौरान बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने पूर्वी दिल्ली के सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर की संस्था को एक करोड़ रुपये दान दिया है। गौतम ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए अक्षय का आभार व्यक्त किया है। बता दें कि इस मुश्किल की घड़ी में गौतम की फाउंडेशन लोगों की मदद कर रही है।

गौतम गंभीर ने ट्वीट किया, इस वक्त हर मदद उम्मीद की किरण बनकर आती है।ह्लत्नत्नस्न फाउंडेशन को 1 करोड़ रुपये देने के लिए आपका धन्यवाद अक्षय कुमार। इससे जरुरतमंदों को खाना, ऑक्सीजन और दवाइयों की मदद मिल सकेगी।

# कोरोना के इस मुश्किल माहौल में अभिषेक बच्चन खुशियां फैलाने के लिए कर रहे हैं ये काम

मौजूदा समय में देश में कोरोना वायरस के फैले संक्रमण के चलते हालत बेहद त्रस्त है। महामारी की वजह से भारत में स्थिति बेहद खराब हो गई है। अस्पतालों में मरीजों की लंबी भीड़ है। कहीं दवाइयों की किल्लत है, तो कभी ऑक्सीनज सिलेंडर की। इनकी स्थिति को सुभारने में सरकार पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन ये कोशिशें नाकाफी साबित हो रही हैं। ऐसे मुश्किल माहौल में बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने रविवार को सभी के लिए वर्चुअल हग भेजे। अभिषेक ने कहा कि हमें ऐसे समय में प्यार फैलाने की जरूरत है। अभिनेता ने सभी से मास्क पहनने की अपील भी की। अभिषेक ने आज एक ट्वीट शेयर किया। जिसमें उन्होंने लिखा सभी को मेरा वर्चुअल हग, प्यार फैलाइए, इस समय हमें इसकी जरूरत है। और मास्क जरूर लगाइए।

# भारत में कोरोना के हालातों पर प्रियंका चोपड़ा ने किया ट्वीट, लिखा माई हार्ट ब्रेक

कोरोना वायरस की दूसरी लहर भारत के लिए कहर साबित हुई है। देश में कोविड मरीज बढ़ते जा रहे हैं और अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की कमी हो गई है। ऐसे में जब देश बुरे हालात से गुजर रहा है, सरकार की तरफ से पुरजोर प्रयास जारी हैं। ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए जरूरत की जगहों पर ऑक्सीजन भेजी जा रही है। लेकिन फिर भी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। एक तरफ बॉलीवुड के लोग अपने तरीके से जनता की मदद कर रहे हैं और दूसरी तरफ एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने भी भारत के कोरोना जनित हालातों पर चिंता जाहिर करते हुए ट्वीट किया है।

माई हार्ट ब्रेक, भारत कोविड–19 से लड़ रहा है और यूएस ने 550मिलियन वैक्सीन ऑर्डर की हैं. ऐस्ट्राजेनिका का शुक्रिया दुनियाभर में इसे पहुंचाने के लिए लेकिन मेरे देश के हालात बहुत बुरे हैं। क्या आप जल्द से जल्द भारत के साथ वैक्सीन शेयर कर सकेंगे? ट्वीट में प्रियंका की अपने देश के लिए व्यग्रता साफ दिख रही है। वो चाहती हैं कि भारत में हालात जल्द सुधरे और ऐसे में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से अपील की है कि वो भारत को भी राहत देने में मदद करें। प्रियंका समय समय पर कोविड की जरूरत जैसे दवाइयां और ऑक्सीजन की उपलब्धता पर लगातार पोस्ट कर रही हैं ताकि लोगो को मदद मिल सके। पिछले दिनों प्रियंका सिडाटेल की शूटिंग कर रही थी।

# प्यार के लिए कन्नड़ एक्ट्रेस शनाया काटवे बनी हत्यारी, भाई का किया मर्डर, टुकड़ों में मिली लाश

### शनाया का बॉयफ्रेंड सहित तीन गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में शनाया के बॉयफ्रेंड नियाज अहमद कटिगार को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही तीन अन्य लोगों को भी अरेस्ट किया गया है। इनमें 21 वर्षीय तौसीफ चन्नापुर, अल्ताफ मुल्ला और अमन गिरानीवाले शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राकेश काटवे का सिर देवरगुडीहल के वन क्षेत्र में मिला था। उसके शरीर के अन्य हिस्सों को अलग जगहों पर फेंका गया था। जो गडग रोड और हुबली के अन्य इलाकों में मिले।

कन्नड़ एक्ट्रेस शनाया काटवे पर गंभीर आरोप लगे हैं। अभिनेत्री पर अपने भाई के मर्डर का आरोप है। पुलिस ने शनाया को गुरुवार को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनके भाई का नाम 32 वर्षीय राकेश कटवे बताया जा रहा है। मीडियो रिपोर्ट के अनुसार राकेश शनाया के प्रेम में कांटा बना रहा था। इस लिए अभिनेत्री ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर खौफनाक घटना को अंजाम दिया। अपने भाई की गला दबाकर हत्या कर दी। फिर टुकड़ों में काटकर अलग–अलग जगह फेंक दिया।

### घर पर दिया घटना को अंजाम

रिपोर्टस के अनुसार हुबली में राकेश के घर पर मर्डर को अंजाम दिया गया। कहा जा रहा है कि राकेश की गला दबाकर हत्या की गई है। जांच में अधिकारियों को राकेश की हत्या का लिंक उसकी बहन शनाया से मिला। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस आरोपी नियाज अहमद से बेहद मोहब्बत करती है।

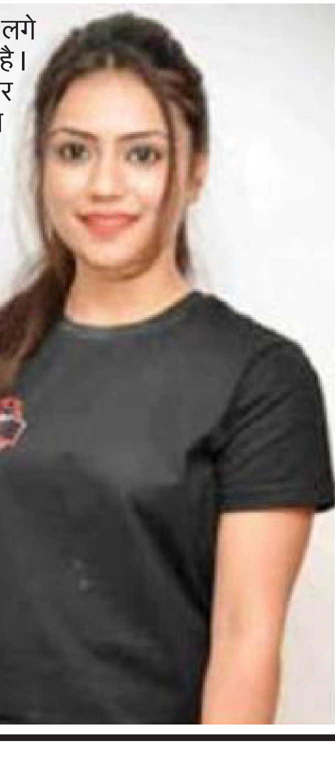

# अपनी पत्नी और बेटी से महीने भर बाद मिले रोडीज फेम रणविजय सिंह

रणविजय ने सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी प्रियंका और बेटी कायनात के फोटो शेयर की। फोटो में तीनों एक साथ समय बिताते नजर आ रहे है। फोटो शेयर कर रणनिजय ने लिखा, कोरोना प्रतिबंधों के कारण मैं अपने परिवार से पिछले चार महीने से नहीं मिला था। काफी टाइम बाद एब हम साथ में है। रणविजय वर्तमान में ओटीटी सीरीज सुमेर सिंह केस फाइल्स गर्लफ्रेंड का हिस्सा हैं। उन्हें रोडीज और स्प्लिट्सविला जैसे रियलिटी शो की मेजबानी के लिए जाना जाता है।

**क्या स्क्रिप्टेड होती हैं रोडीज की लड़ाईयां –** रणविजय सिंह ने बॉलीवुड लाइफ को दिए इंटरव्यू में बताया था कि रोडीज और स्पिलिस्टविला में जो होता है, वह असल में होता है किसी को स्क्रिप्ट नहीं मिलती है, चाहे वो हंसी मजाक हो या फिर लड़ाईयां।

**दोबारा पिता बनने वाले रणविजय –** रणविजय सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका सिंह दोबारा माता पिता बनने वाले हैं। रणविजय की पत्नी प्रियंका दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं, पिछले महीने रणविजय ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी। दोनों एक बेटी के माता पिता हैं, जिसका नाम कायनात है।

# भाभी जी घर पर हैं की अंगूरी भाभी शुभांगी अत्रे की कोरोना रिपोर्ट आई निगेटिव

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे का कोरोना वायरस का टेस्ट निगेटिव आया है लेकिन अभी भी वह होम आइसोलेशन में है। टीवी सीरियल भाबीजी घर पर हैं कि अभिनेत्री पिछले दिनों कोरोना से संक्रमित पाई गई थीं। वह कहती है, मैंने नकारात्मक परीक्षण किया है। मुझे आज अपनी रिपोर्ट मिली और मैं अभी भी घर पर हूं। कुछ समय के लिए आइसोलेट हूं। मैंने अपने दिन की शुरूआत भगवान से प्रार्थना करके की और फिर भगवान को धन्यवाद देने के लिए प्रसाद बनाया। उन्होंने मुझे ठीक होने और वायरस मुक्त होने में मदद की। अपने कोविड के अनुभव के बारे में बात करते हुए, भाबीजी घर पर हैं की अभिनेत्री का कहना है कि यह आपको पूरी तरह से खत्म कर देता है। वह कहती है सरकार और प्रशासन कैसिनोड्स को नियंत्रित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, लोगों को अपने घरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए जब तक कि कोई आपात स्थिति न हो। अभिनेत्री इस महीने की शुरुआत में कोरोना संक्रमित हो गई थीं। एक्ट्रेस ने कहा है कि उनमें कोरोना के हल्के लक्षण दिखने के बाद उन्होंने अपना रैपिड टेस्ट करवाया, जिसमें उनके कोरोना संक्रमित होने की बात सामने आई। अभिनेत्री ने कहा था, मैं कोरोना पॉजिटिव पाई गई हूं। मुझमें हल्के लक्षण दिखे थे, जिसके बाद सुबह मैंने अपना टेस्ट करवाने का फैसला लिया और मेरे रैपिड टेस्ट की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। शुभांगी के सिर में दर्द होने की शिकायत थी।

*सियोल में कोरियाई खेल आयोजन समिति के एक कार्यक्रम के तहत लोगों का कोविड-19 टीकाकरण हुआ।*

# आईपीएल में आज होगा धोनी और रोहित की टीमों में मुकाबला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कप्तान रोहित शर्मा की मुंबई इंडियन्स शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत के इरादे से उतरेगी। पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है। मुंबई इंडियन्स का प्रदर्शन इस सत्र में अब तक उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। टीम पिछले छह मैचों में से केवल तीन में जीत दर्ज कर पायी है। इस प्रकार उसके छह अंक हैं। इस बार उसका मुकाबला कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की सीएसके से है। सीएसके को अब तक केवल एक मैच में ही हार मिली है, ऐसे में वह अपने जीत की लय बनाये रखने पूरा जोर लगा देगी। पिछले साल टूर्नामेंट में प्लेआफ में भी नहीं पहुंच पायी सीएसके इस बार ठोस शुरूआत करते हुए लगातार पांच मैचों से अजेय बनी हुई है। उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा था। 10 अंक लेकर टीम अंकतालिका में शीर्ष पर है। ऐसे में अब सीएसके और मुम्बई का मुकाबला रोमांचक होना तय है।

इस मैच का परिणाम काफी हद तक दोनों टीमों के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर निर्भर करेगा। रोहित अभी तक के मैचों में अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। उन्हें सीएसके के खिलाफ जीत के लिए बड़ी पारी खेलनी होगी। मुंबई के लिये राहत की बात यह है कि उसके सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने पिछले मैच में फार्म हासिल कर लिया था। इसके अलावा ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने भी अच्छी बल्लेबाजी की थी। सूर्यकुमार यादव को भी अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में बदलना होगा। कीरोन पोलार्ड को भी आक्रामक तरीके से खेलने की जरुरत है। इशान किशन को अंतिम एकादश में जगह मिलना तय नहीं है। मुंबई को यदि चेन्नई का जीत का क्रम रोकना है तो दीपक चाहर, सैम करेन और रविंद्र जडेजा को और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर सीएसके के मध्यक्रम को इस मैच में जिम्मेदारी से खेलना होगा। अब तक के मैचों में फाफ डुप्लेसिस और रुतुराज गायकवाड़ के अच्छे प्रदर्शन के कारण उसपर दबाव नहीं था। पिछले कुछ मैचों में शीर्ष क्रम ने टीम को अच्छी शुरूआत दिलाकर जीत में अहम भूमिका निभायी। सीएसके के बल्लेबाजों को ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाजों के सामने खेलते हुए सावधानी रखनी होगी।

बोल्ट और बुमराह डेथ ओवरों में भी बेहद कारगर साबित हुए हैं। कोटला की धीमी पिच पर लेग स्पिनर राहुल चाहर की भूमिका भी अहम रहेगी। उन्होंने अभी तक 11 विकेट लिये हैं। उन्हें दूसरे छोर से क्रुणाल और जयंत यादव से सहयोग की जरुरत है। सीएके की टीम डुप्लेसिस और रुतुराज से इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी चाहेगी। मध्यक्रम में उसके पास मोईन अली और सुरेश रैना की से बल्लेबाज हैं जबकि निचले क्रम में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का उसे साथ मिलेगा। जडेजा बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और वह मुंबई के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमें बेहद संतुलित हैं और ऐसे में दोनो ही जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही हैं।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं :

मुंबई इंडियन्स : रोहित शर्मा (कप्तान), एडम मिल्ने, आदित्य तारे, अनमोलप्रीत सिंह, अनुकुल रॉय, अर्जुन तेंदुलकर, क्रिस लिन, धवल कुलकर्णी, हार्दिक पंड्या, इशान किशन, जेम्स नीशाम, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव, कीरोन पोलार्ड, क्रुणाल पंड्या , मार्को जानसेन, मोहसिन खान, नाथन कूल्टर-नाइल, पीयूष चावला, क्विंटन डिकॉक, राहुल चाहर, सौरभ तिवारी, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और युधवीर सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्सः महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, केएम आसिफ, दीपक चाहर, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसिस, इमरान ताहिर, एन जगदीसन, कर्ण शर्मा, लुंगी एनगिडी, मिशेल सेंटनर, रविंद्र जडेजा, रुतुराज गायकवाड़ , शार्दुल ठाकुर, सैम करेन, आर साई किशोर, मोईन अली, के गौतम, चेतेश्वर पुजारा, हरिशंकर रेड्डी, भगत वर्मा और सी हरि निशांत।

## टीम को इस जीत की जरुरत थी : रोहित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान रायल्स के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम के लिए इस मैच में जीत दर्ज करना जरुरी था। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के नाबाद 70 रनों की की जीत में अहम भूमिका रही। रोहित ने कहा कि इस मैच में हमारी टीम ने एक इकाई के तौर पर खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने मैच में सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया। पहली गेंद से अंत तक टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। खिलाडियों ने अपनी ओर से जिम्मेदारी लेते हुए काम किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने सकारात्मक रुख अपनाया जिसका हमें लाभ मिला। रोहित ने गेंदबाजी के भी अच्छे प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की है।

रोहित ने इसके साथ ही डिकॉक की तारीफ करते हुए कहा कि हमें पता था कि वह कितनी अच्छी बल्लेबाजी कर सकता है। वहीं दूसरी ओर हार से निराश सैमसन ने कहा कि उनकी टीम इस मैच में 20 से 25 रन कम बनाने के कारण हारी। बनाए। टीम ने अच्छी शुरूआत का लाभ नहीं उठाया जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही माना कि मुम्बई का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर रहा जिससे उनके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। सैमसन ने हालांकि अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन को ठीक करार दिया है।

## केकेआर के बल्लेबाजों के प्रदर्शन से निराश हैं कोच मैकुलम

अहमदाबाद, (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच ब्रैंडन मैकुलम ने दिल्ली कैपिटल्स के हाथों टीम की करारी हार के लिए शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया है। मैकुलम ने कहा है कि उनकी टीम के बल्लेबाजों ने अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वैसी गंभीरता नहीं दिखाई है जिसकी जरुरत है। बल्लेबाजों में आक्रमकता की कमी साफ नजर आ रही है। मैकुलम ने अप्रत्यक्ष रुप से उभरते हुए बल्लेबाज बल्लेबाज शुभमन गिल पर भी निशाना साधा है। शुभमन इस सत्र में लय में नहीं दिखे हैं। उनका बल्ला भी अबतक खामोश रहा है। वह एक मैच में भी अर्धशतक नहीं पहुंच पाये हैं।

मैकुलम ने दिल्ली कैपिटल्स के हाथों की टीम की हार के बाद कहा, यह बेहद निराशाजनक है। एक खिलाड़ी के तौर पर जब चयन की बात आती है तो आप आजादी से खेलने की मांग करते हैं। वहीं जब आप जब मैदान पर उतरते हो तो आपको आक्रामक होकर खेलने और चीजों को टीम के पक्ष में करने की जरुरत होती है जो आप नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, मैं और कप्तान इयोन मोर्गन सभी खिलाड़ियों से आक्रामक क्रिकेट खेलने के लिये कहते रहे हैं पर वे ऐसा नहीं कर पाये जिससे टीम को नुकसान उठाना पड़ा है। इसके अलावा हमारे गेंदबाज भी विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये।

केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स को 154 रन का लक्ष्य दिया जो दिल्ली ने आसानी से हासिल कर दिया। मैकुलम ने कहा, हमने पृथ्वी शॉ की बल्लेबाजी देखी वह इसका शानदार स्पष्ट उदाहरण है कि हमें कैसे खेलना होता है। आप हमेशा प्रत्येक गेंद पर चौका या छक्का नहीं लगा सकते हो पर जब आपको आजादी से खेलने की अनुमति मिली हो तो आप बड़े शॉट खेलने का प्रयास तो कर ही सकते हैं।

*म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू ओपन में खेलते हुए जर्मनी के जेन लेनार्ड।*

## आईपीएल बायोबबल में हम पूरी तरह सुरक्षित : डिकॉक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंबई इंडियन्स के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) बायोबबल (जैव सुरक्षा घेरे) में पूरी तरह से सुरक्षित अनुभव कर रहे हैं और उन्हें किसी प्रकार का भय नहीं लग रहा। वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल बायो बबल को असुरक्षित करार देते हुए कहा था कि आईपीएल का यह 14 वां सत्र भी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाना चाहिये था। इसके बाद जंपा सहित कुछ अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्वदेश लौट गये थे।

वहीं डिकॉक ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली जीत के बाद कहा , हम अपने डॉक्टरों पर भरोसा करते हैं, इसके साथ ही हम अपने जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में पूरी तरह से ठीक हैं। हम काफी सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और सभी चीजें हमें आसान लग रही हैं। उन्होंने कहा कि हम फिर भी सावधानी रखते हैं। बायो बबल में मैच खेलने और अभ्यास में कोई परेशानी नहीं आ रही है। डिकॉक ने कहा कि चेन्नई की पिच पर संघर्ष करने के बाद कोटला के मैदान पर बल्लेबाजी करना काफी आसान था। उन्होंने कहा, बेशक यहां बल्लेबाजी करना काफी आसान था। जीत दर्ज करके हम उत्साहित हैं।

## तो यूएई में होगा टी20 विश्व कप : बीसीसीआई

मुम्बई, (एजेंसी)। भारत में कोरोना महामारी के बढ़ते कहर के बीच ही आगामी टी20 विश्व कप को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का एक अहम बयान आया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के हालात अगर ठीक नहीं हुए तो टी20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जा सकता है। टी20 विश्व कप पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाना था पर तब भी कोरोना वायरस से बिगड़े हालातों को देखते हुए इसे स्थगित कर दिया गया था। भारत में पिछले कुछ समय में कोरोना संक्रमण के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं उसके देखते हुए यात्रा प्रतिबंध भी लग गये हैं। ऐसे में अभी से विश्व कप को लेकर कुछ कहा जाना संभव नहीं है।

बीसीसीआई के इस अधिकारी को उम्मीद है कि अगले छह माह के अंदर हालात ठीक हो जाएंगे और टी20 विश्व कप तय समय पर भारत में होगा हालांकि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसे वैकल्पिक स्थल के रुप में यूएई में आयोजित करने के अलावा कोई रास्ता नहीं रहेगा। बीसीसीआई के इस अधिकारी ने कहा, हम सामान्य हालात और खराब हालात दोनों को लेकर सजग हैं और आईसीसी से इस बारे में लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। वहीं टूर्नामेंट के दूसरे देश में आयोजन के सवाल पर कहा कि आयोजन के विकल्प के लिए दूसरा देश यूएई होगा लेकिन साथ ही कहा कि उस स्थिति में ही टूर्नामेंट के आयोजन की जिम्मेदारी बीसीसीआई की ही होगी।

## भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड जाने तैयार हैं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी : मैक्सवेल

अहमदाबाद, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा कि उन्हें और अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को भारतीय खिलाड़ियों के साथ विशेष विमान से इंग्लैंड जाने में कोई परेशानी नहीं है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार मई के अंतिम सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय यात्रा दिशानिर्देशों को देखने के बाद इन खिलाड़ियों को साथ भेजने के विकल्प पर विचार किया जा सकता है। इसका कारण यह है कि अभी ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी भारत में आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं, वहीं ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों ने भारत के साथ यात्रा प्रतिबंध लगा दिये हैं, ऐसे में इन क्रिकेटरों का स्वदेश जाना कठिन है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा था कि वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को स्वदेश भेजने का पूरा इंतजाम करेगा।

मैक्सवेल ने कहा, हम केवल स्वदेश जाने का रास्ता तलाशना चाहते हैं। इस मामले में बीसीसीआई और दोनों सरकारें समाधान निकालने के लिये काम कर सकती है। यदि हमें थोड़ा इंतजार करना होगा तो ऐसा हो सकता है पर किसी चरण में स्वदेश लौटने का रास्ता तो स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा, भारतीय टीम को इंग्लैंड में श्रृंखला खेलनी है। हालात खराब होते हैं तो हमें इंग्लैंड भी जाना पड़ सकता है। मुझे पूरा भरोसा है कि इससे अधिकतर खिलाड़ी इसके लिए तैयार रहेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल इंग्लैंड में खेला जाएगा और इसके लिये भारतीय टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड जाना होगा।

इस मामले में बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि इस विकल्प पर विचार किया जा सकता है क्योंकि बोर्ड विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित घर वापसी के लिये कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। धूमल ने कहा, इंग्लैंड की यात्रा करके वहां से ऑस्ट्रेलिया जाने के विकल्प पर विचार किया जा सकता है। इसके साथ ही कई अन्य तरह के विकल्प भी हैं और बीसीसीआई निश्चित तौर पर सबसे सुरक्षित विकल्प को चुनने की कोशिश करेगा जिसमें खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से समझौता नहीं होगा। मैक्सवेल ने कहा कि आईपीएल समाप्त होने के बाद जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) समाप्त हो जाएगा और वे सुरक्षित मार्ग से स्वदेश लौटना चाहेंगे।

## भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच पद के लिए हेमलता सहित पांच उम्मीदवार मैदान में

मुम्बई, (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच पद के पूर्व मुख्य चयनकर्ता हेमलता काला सहित पांच महिला उम्मीद्वारों ने आवेदन दिया है। हेमलता के अलावा ममता माबेन, जया शर्मा, सुमन शर्मा और नौशीन अल खादर अन्य महिला उम्मीद्वार हैं जिन्होंने इस पद के लिये आवेदन किया है। वहीं पुरुषों में निर्वतमान कोच डब्ल्यूवी रमन ने फिर से आवेदन किया है। रमन का कार्यकाल मार्च में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में के साथ ही समाप्त हो गया था। रमन के अलावा पूर्व कोच रमेश पोवार और तुषार अरोठे ने भी आवेदन दिया है।

अब मदनलाल की अगुवाई वाली समिति मुख्य कोच पद के लिए उम्मीदवारों का चयन करेगी। वहीं इस बार नीतू डेविड के नेतृत्व वाली महिला चयनसमिति राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच पद पर किसी महिला का ही चयन करने के पक्ष में है जिससे इस पद पर किसी महिला के आने की ही उम्मीदें हैं।

मदन लाल ने कहा कि हमें उम्मीद्वारों के साक्षात्कार की तिथि के बारे में अभी तक भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कुछ नहीं बताया है। वहीं हम इस पद के लिये किसी सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति का चयन करेंगे। वह महिला या पुरुष कौन है इससे फर्क नहीं पड़ता है। पूर्णिमा राव भारतीय टीम की आखिरी महिला कोच थी पर उन्हें अप्रैल 2017 में हटा दिया गया था। इसके बाद अरोठे को कोच बनाया था। बाद में पोवार को कोच की जिम्मेदारी दी गयी पर वह विवादों में पड़ने के कारण हटा दिये गये थे।

*मैनचेस्टर में यूरोपा लीग फुटबॉल में गोल करते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड के ब्रूनो फर्नाडो।*

## ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन के लिए बेहतर फिनिशिंग की जरुरत : हार्दिक

बेंगलुरु, (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय टीम को ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए फिनिशिंग में सुधार के साथ ही आपस में अच्छा तालमेल बनाने पर ध्यान देना होगा। हार्दिक ने कहा, मुझे लगता है कि हमें अपनी फिनिशिंग पर काम करने की जरूरत है। हमें इसके साथ ही विरोधी टीमों के डी में बनाए अवसरों का लाभ उठाने की जरुरत है। हम अपने समन्वय पर भी काम कर सकते हैं जिससे हमें विरोधी टीमों के खिलाफ मैच में नियंत्रण बनाने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हम हर दिन के साथ ही सुधार करना चाहते हैं और अपने लक्ष्यों पर बरकरार रहते हुए इस लय को जारी रखना चाहते हैं। एक साल के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल रही भारतीय टीम ने दो चरण की एफआईएच प्रो लीग के पहले मैच में मेजबान अर्जेन्टीना को पहले मैच में पेनल्टी शूट आउट में हराया और फिर दूसरे मैच में 3-0 से जीत दर्ज की।

हार्दिक ने अर्जेन्टीना और यूरोप के हाल के दौरों में सफलता का श्रेय शिविर के दौरान कड़ी ट्रेनिंग को दिया। उन्होंने कहा कि अर्जेन्टीना और यूरोप दौरे की सफलता कड़ी ट्रेनिंग का परिणाम जो हम शिविर में एक साल से कर रहे हैं। जुलाई में शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारी के हिस्से के तौर पर अर्जेन्टीना के खिलाफ हुए अभ्यास मैचों में भारत ने जीत हासिल की थी।